घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 321- बुधवार 23- सितम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

राज्यसभा की 12 सीटों पर चुनाव घोषित

बंगाल-उत्तराखंड में एक-एक और यूपी की 10 सीटें शामिल,बीएसपी संसद से बाहर हो सकती है...

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2026। चुनाव आयोग ने मंगलवार को राज्यसभा की 12 सीटों पर चुनाव का ऐलान किया। इनमें उत्तर प्रदेश की 10, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट शामिल हैं। चुनाव की अधिसूचना 29 सितंबर को जारी होगी। नामांकन 6 अक्टूबर तक दाखिल किए जा सकेंगे। जरूरत पड़ने पर 16 अक्टूबर को वोटिंग और काउंटिंग कराई जाएगी।

बीजेपी को बंगाल में इकलौती सीट मिल सकती है...

राज्यसभा में बीजेपी की एक सीट बढ़ने की संभावना है, क्योंकि पार्टी पश्चिम बंगाल की एकमात्र सीट जीत सकती है। यह सीट अभिनेत्री रुक्मिणी मल्लिक (जिन्हें कोयल के नाम से जाना जाता है) के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। उन्हें तृणमूल कांग्रेस ने इस साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनावों में सत्ता से बाहर होने से पहले सदन में भेजा था। उत्तराखंड में बीजेपी सांसद नरेश बंसल का कार्यकाल खत्म हो रहा है। राज्य में बीजेपी सत्ता में है और विधानसभा में उसके पास आरामदायक बहुमत है।

उत्तर प्रदेश में खत्म हो रहा 10 सांसदों का कार्यकाल

उत्तर प्रदेश से जिन सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी शामिल हैं। इनके अलावा बीजेपी नेता अरुण सिंह, गीता शाक्य,नीरज शेखर,बृजलाल,बीएल वर्मा और सीमा द्विवेदी का कार्यकाल भी खत्म हो रहा है। एसपी नेता राम गोपाल यादव का कार्यकाल भी समाप्त हो रहा है। पुरी का केंद्रीय मंत्रिमंडल में बने रहना इस बात पर निर्भर करेगा कि बीजेपी उन्हें फिर से राज्यसभा भेजती है या नहीं। उत्तर प्रदेश की 10वीं खाली सीट पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा की थी। इस महीने की शुरुआत में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का उपराज्यपाल बनाए जाने के बाद उन्होंने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था।

2020 में बीएसपी को राज्यसभा में मिली थी इकलौती सीट

बीएसपी ने 2020 में गौतम को राज्यसभा भेजा था। बीएसपी के इकलौते राज्यसभा सदस्य रामजी गौतम का कार्यकाल नवंबर में खत्म हो रहा है। तब बीजेपी ने 10 सीटों के लिए सिर्फ़ 8 उम्मीदवार उतारे थे, जिससे बीएसपी और एसपी दोनों का एक-एक सदस्य निर्विरोध चुना जा सका। इससे बीएसपी और एसपी को एक-एक सदस्य निर्विरोध चुनने का मौका मिला था। एसपी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार का नामांकन खारिज होने के बाद गौतम निर्विरोध चुने गए थे।

यूपी में वोटों का गणित

उत्तर प्रदेश में बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन के पास करीब 290 विधायक हैं। एसपी-कांग्रेस गठबंधन के पास लगभग 103 विधायक हैं। राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए करीब 37 वोटों की जरूरत होती है। बीजेपी सात सीटें आसानी से जीत सकती है। एसपी-कांग्रेस गठबंधन दो सीटें जीत सकता है। आखिरी सीट के लिए बीजेपी के पास शुरुआत में करीब 31 वोट और एसपी-कांग्रेस पक्ष के पास करीब 29 वोट होने की संभावना है ।इससे आखिरी सीट पर भाजपा गठबंधन को बढ़त मिल सकती है।

बंगाल की एक सीट पर उपचुनाव,16 अक्टूबर को मतदान

चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश की 10 और उत्तराखंड की एक राज्यसभा सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव तथा पश्चिम बंगाल की एक सीट के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम मंगलवार को घोषित किया। सभी 12 सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान होगा और उसी दिन शाम पांच बजे से मतगणना होगी। आयोग के अनुसार,उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की 11 राज्यसभा सीटों के मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इनमें उत्तर प्रदेश की 10 सीटें और उत्तराखंड की एक सीट शामिल है। उत्तर प्रदेश से जिन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है,उनमें केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के अलावा अरुण सिंह,बृजलाल,बीएल वर्मा,नीरज शेखर, गीता उर्फ चंद्रप्रभा, रामजी, सीमा और दिनेश शर्मा शामिल हैं। उत्तराखंड से नरेश बंसल का कार्यकाल भी 25 नवंबर को समाप्त होगा। वहीं,पश्चिम बंगाल की एक राज्यसभा सीट पर रुक्मिणी मलिक के इस्तीफा देने से हुई आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए उपचुनाव कराया जा रहा है। चुनाव आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के मुताबिक चुनाव की अधिसूचना 29 सितंबर को जारी होगी और नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 06 अक्टूबर होगी। नामांकन पत्रों की जांच 07 अक्टूबर को होगी तथा उम्मीदवार 09 अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। 16 अक्टूबर को सुबह 09 बजे से शाम 04 बजे तक मतदान होगा। मतदान समाप्त होने के बाद शाम 05 बजे से मतगणना शुरू होगी।

सुप्रीम कोर्ट बोला...धार्मिक वजह से वंदेमातरम न गाना अपराध नहीं

याचिकाकर्ता बोला...इसमें हिंदू देवताओं का जिक्र,कानून पर केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2026। वंदे मातरम गीत से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा, 'धार्मिक कारणों से राष्ट्रगीत न गाने वाले व्यक्ति को आपराधिक कार्रवाई का सामना नहीं करना चाहिए।'कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने यह देखने पर सहमति दी कि वंदे मातरम न गाने को दंडनीय अपराध बनाया जा सकता है या नहीं। कोर्ट ने यह तय करने से इनकार किया कि राष्ट्रगीत केवल दो अंतरों तक सीमित रहेगा या छह अंतरों तक होगा। कानून में वंदे मातरम के गायन को रोकने या गायन में जानबूझकर बाधा डालने को दंडनीय बनाया गया है। यह सुनवाई गायक टीएम कृष्णा की याचिका पर हुई। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि अंतिम चार पैरा हिंदू देवताओं के प्रति भक्ति का आह्वान करते हैं। इन पैराग्राफ को गाना अनिवार्य बनाना देश के धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन है। वंदे मातरम को कानून के दायरे में लाने वाला संशोधन बिल 29 जुलाई को राज्यसभा और 30 जुलाई को लोकसभा से पास हुआ था। इसके बाद 6 अगस्त को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने पर यह कानून बन गया।

बिजो इमैनुअल केस : 3 छात्रों ने राष्ट्रगान गाने से मना कर दिया

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि वंदे मातरम से जुड़े कानून की व्याख्या करते समय 1986 के 'बिजो इमैनुअल' फैसले में तय सिद्धांतों को लागू किया जाएगा। दरअसल, 1986 के बिजो इमैनुअल बनाम केरल सरकार मामले में तीन छात्रों ने धार्मिक विश्वास के कारण राष्ट्रगान नहीं गाया था। हालांकि वे राष्ट्रगान के दौरान सम्मानपूर्वक खड़े रहते थे।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार अब देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचेंगे : अश्विनी वैष्णव

एकता नगर,22 सितम्बर 2026। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों को अब देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों तक ले जाने की पहल की जा रही है। इसका उद्देश्य फिल्म और पर्यटन को एक साथ जोड़ना है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के लिए केवड़िया रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद मीडिया से बातचीत में अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस पहल की शुरुआत एकता नगर से की जा रही है,जो सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा और प्राकृतिक सुंदरता के कारण देश-दुनिया में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में पहचान बना चुका है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के अवसर पर राष्ट्रपति,फिल्म जगत के प्रमुख कलाकारों और अन्य लोगों के एकता नगर पहुंचने से इस पर्यटन स्थल को और व्यापक पहचान मिलेगी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों को केवल एक कॉन्फ्रेंस रूम तक सीमित न रखते हुए आम जनता और वास्तविक पर्यटन स्थलों से जोड़ा जाए। उन्होंने सभी राज्यों से अपने-अपने सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थलों के प्रस्ताव भेजने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव में बेहतर सुविधाओं के साथ 360 डिग्री विकास की योजना भी शामिल होनी चाहिए। जिस राज्य का प्रस्ताव चुना जाएगा, वहां के पर्यटन स्थल पर अगला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 के आयोजन को देश के विभिन्न हिस्सों और राज्यों तक पहुंचाया था। उसी सोच के तहत राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों को भी देश के अलग-अलग हिस्सों में ले जाया जा रहा है। इससे फिल्म और पर्यटन के बीच संबंध मजबूत होंगे।

नेशनल फिल्म अवॉर्ड....भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान के लिए अभिनेता अनंत नाग को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

कार्तिक-यामी बेस्ट एक्टर...केजीएफ अभिनेता को दादासाहेब फाल्के,72 साल में प्राइज मनी 5 हजार से 3 लाख हुई

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2026। कार्तिक आर्यन को 'चंदू चैंपियन' और ममूटी को'ब्रह्मयुगम' के लिए 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर का पुरस्कार दिया गया। यामी गौतम को'आर्टिकल 370' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया। सेरेमनी गुजरात के एकता नगर (केवडिया) में मंगलवार को हुई। विजेताओं की घोषणा 18 जुलाई को हुई थी। 'श्रीकांत' को बेस्ट हिंदी फिल्म और'आर्टिकल 370' को बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड मिला। तमिल स्टार धनुष को दो कैटेगरी में नेशनल अवॉर्ड दिया गया। एक्टर अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड 2024 दिया गया। उन्होंने कन्नड़, तेलगु और हिंदी समेत 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया।

72 साल में 7 से 45 अवॉर्ड

साल 1954 में नेशनल फिल्म अवॉर्ड सिर्फ 7 पुरस्कारों से शुरू हुए थे,अब 72 साल बाद 45 पुरस्कार दिए गए। इनमें 26 फीचर फिल्म,16 नॉन-फीचर फिल्म, 2 सिनेमा पर लेखन और 1 दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड शामिल है।

राष्ट्रपति बोलीं... फेमस स्टार हानिकारक चीजों का प्रचार न करें

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा...मैं चाहूंगी कि प्रत्येक ज्यूरी पैनल में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। फिल्म कलाकार बहुत लोकप्रिय होते हैं, उनमें देशवासियों विशेषकर युवाओं को प्रभावित करने की क्षमता होती है। मैं ये अनुरोध करना चाहूंगी कि लोकप्रिय कलाकार स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पदार्थों का एंडोर्समेंट न करें। स्टार वही है,जो रोशनी फैलाए,अंधेरा नहीं।

अनंत नाग बोले...पापी पेट के लिए करियर शुरू किया था...

सम्मान मिलने के बाद अनंत नाग बोले...एक एक्टर के तौर पर आपने मेरी परफॉर्मेंस देखी है। मैंने बचपन के 12 साल आश्रम में गुजारे। इसके बाद मुझे मुंबई भेजा गया,जहां मुझे प्ले चैतन्य महाप्रभु में एक्टिंग का मौका मिला। उस समय करियर क्या होता है किसी को नहीं पता था। पापी पेट के लिए करियर शुरू किया और फिर 5 सालों में 50 प्ले किए। आखिरी 50 साल मुझे कई अलग भाषाओं की फिल्मों में काम करने के लिए बुलाया गया। मैंने दूसरी भाषाओं की भी फिल्में कीं,लेकिन कर्नाटक और कन्नड़ फिल्मों में मुझे सबसे बड़े मौके मिले।

3 लाख तक पहुंची प्राइज मनी : नेशनल फिल्म अवॉर्ड में पहले सिर्फ गोल्ड मेडल और मेरिट सर्टिफिकेट मिलते थे। 1957 में पहली बार नकद पुरस्कार शुरू हुआ,तब निर्देशक को 5 हजार और निर्माता को 20 हजार मिले। 1975 में बेस्ट एक्टर-एक्ट्रेस को पहली बार 10 हजार मिले, जो अब बढ़कर 3 लाख हो चुके हैं। वहीं, 1969 में शुरू हुए दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड की नकद राशि 11 हजार से बढ़कर अब 10 लाख हो गई है।

ट्राई का बड़ा फैसला : कंपनियों को बिना डेटा वाले प्लान का देना होगा विकल्प,ग्राहकों को मिल सकेगी किफायती सेवा

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2026। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कम आय वाले दूरसंचार उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ट्राई ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को कम वैधता वाले केवल वॉइस कॉल और एसएमएस प्लान पेश करने का निर्देश दिया है। इन प्लान में उचित टैरिफ कटौती भी करनी होगी। इस निर्णय से उन उपभोक्ताओं को अधिक किफायती और लचीले रिचार्ज विकल्प मिलेंगे, जिन्हें डेटा सेवाओं की आवश्यकता नहीं है। ट्राई ने अपने दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण (तेरहवां संशोधन) विनियम, 2026 में यह बात कही है। इस कदम से उपभोक्ताओं को अपनी आवश्यकताओं और वित्तीय क्षमता के अनुसार रिचार्ज करने के अधिक विकल्प

मिलेंगे। नए ढांचे के तहत, सेवा प्रदाताओं को 30 दिन और उससे कम की वैधता अवधि वाले केवल वॉइस और एसएमएस एसटीवी (विशेष टैरिफ वाउचर) पेश करने होंगे। इसके साथ ही, वर्तमान में वॉइस, एसएमएस और डेटा के लिए दिए जा रहे एसटीवी की वैधता अवधि के अनुरूप टैरिफ में उचित कमी भी करनी होगी।

क्यों पड़ी इसकी जरूरत?

ट्राई ने अपने एक आधिकारिक बयान में बताया कि दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण (बारहवां संशोधन), 2024 के कार्यान्वयन के बाद बाजार में केवल वॉइस और एसएमएस एसटीवी की उपलब्धता सीमित हो गई थी। उपलब्ध प्लान मुख्य रूप से लंबी वैधता अवधि पर केंद्रित थे। इससे कम आय वाले उपभोक्ताओं को किफायती कम अवधि के विकल्पों से वंचित होना पड़ रहा था। नियामक ने महसूस किया कि इस स्थिति को बदलने की आवश्यकता है।

क्या हैं नए प्लान विकल्प?

नए निर्देशों के तहत, ऑपरेटरों को एक ऐसा केवल वॉइस और एसएमएस एसटीवी भी देना होगा जिसे हर महीने एक ही तारीख पर नवीनीकृत किया जा सके। यदि किसी विशेष महीने में संबंधित नवीनीकरण की तारीख उपलब्ध नहीं है, तो नवीनीकरण उस महीने की अंतिम तारीख को होगा।

इसके अतिरिक्त, दूरसंचार ऑपरेटरों को कम और मासिक वैधता विकल्पों से लंबी वैधता वाला कम से कम एक केवल वॉइस और एसएमएस एसटीवी भी पेश करना होगा। यह प्लान भी वॉइस, एसएमएस और डेटा के लिए दिए जा रहे एसटीवी की वैधता अवधि के अनुरूप होगा।

नंदीग्राम उपचुनाव लड़ सकेंगे कांग्रेस उम्मीदवार, फिलहाल जेल में

कलकत्ता हाईकोर्ट बोला...जमानत मिले तो सरकार चुनाव लड़ने दे, प्रधान पर 11 केस दर्ज

नई दिल्ली, 22 सितम्बर 2026। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल सरकार के वकील से कहा कि जमानत मिलने पर कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान को चुनाव लड़ने दिया जाए। मामले की सुनवाई जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने की। मिलन प्रधान नंदीग्राम उपचुनाव में उम्मीदवार हैं। प्रधान पर 11 केस दर्ज हैं। उन्हें 5 मामलों में गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल वे जेल में हैं। हल्दिया सब-डिविजनल कोर्ट ने उन्हें 19 सितंबर को 4 मामलों में 3 अक्टूबर तक न्यायिक

हिरासत में भेजा था। ये मामले 2007 के नंदीग्राम से जुड़े हैं। इसके बाद 21 सितंबर को कांथी कोर्ट ने आर्म्स एक्ट के करीब दो दशक पुराने मामले में उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। नंदीग्राम उपचुनाव की वोटिंग 6 अक्टूबर को है, प्रचार 4 अक्टूबर को खत्म होगा और वोटों की गिनती 9 अक्टूबर को होगी। दोनों निचली अदालतों के आदेशों से प्रधान के लिए खुद प्रचार करने का मौका लगभग खत्म हो गया है। वे तभी प्रचार कर सकेंगे, जब उन्हें जमानत मिल जाएगी। प्रधान के वकील ने कहा कि उन्हें 18 सितंबर को गिरफ्तार किया गया। उनके वकील अयान भट्टाचार्य ने कहा था कि वह कांथी कोर्ट के आदेश को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती देंगे।

देश से मादक पदार्थों के कारोबार को उखाड़ फेंकने का लक्ष्य : अमित शाह

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2026। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भारत ने 31 दिसंबर 2029 तक देश से मादक पदार्थों के कारोबार को सामूहिक प्रयासों से उखाड़ फेंकने का लक्ष्य तय किया है और इसके लिए सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को एकजुट होकर निर्णायक कार्रवाई करनी होगी। इतिहास शाह ने यहां मादक पदार्थ निरोधक कार्यबल (एएनटीएफ) के प्रमुखों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान में केवल जब्ती पर ध्यान देने के बजाय पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने पर जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में लक्ष्य, समयसीमा और जवाबदेही स्पष्ट होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के कारोबार से निपटने के लिए 'बैठक से

मिशन', 'रिपोर्टिंग से परिणाम', 'जब्ती से नेटवर्क के खात्मे' और 'मामले से दोषसिद्धि' की दिशा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने एएनटीएफ को 'एंटी-नार्को मिशन कमांड' के रूप में विकसित करने पर भी जोर दिया। शाह ने कहा कि जिले को मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई की मूल इकाई बनाया जाना चाहिए। इसके तहत जिलों को मादक पदार्थों के उत्पादन एवं प्रवेश वाले क्षेत्रों, परिवहन गलियारों और उपभोग वाले क्षेत्रों के तीन समूहों में बांटकर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मादक पदार्थों के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए वित्तीय और डिजिटल जांच को भी प्राथमिकता देने की बात कही। गृह मंत्री ने कहा कि विदेश से मादक पदार्थों की आपूर्ति करने वाले फरार आरोपितों को पकड़कर भारतीय अदालतों के समक्ष लाया जाएगा तथा विदेशी आरोपितों को निर्वासित करने और उन्हें काली सूची में डालने की दिशा में भी कार्रवाई की जाएगी।

शक्तिशाली अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-35 पहली बार युद्धाभ्यास करने भारत आएगा...

नई दिल्ली, 22 सितम्बर 2026। भारतीय वायु सेना की मेजबानी में बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' में इस बार भी दुनिया के फाइटर जेट आसमान में उड़ान भरेंगे, जिसमें अमेरिका का पांचवीं पीढ़ी का एफ-35 लड़ाकू विमान होगा। वैसे तो भारत की वायु सेना एफ-35 के साथ विदेशों में कई बार एयर कॉम्बैट एक्सरसाइज में हिस्सा ले चुकी है लेकिन यह पहला मौका है, जब अमेरिका का यह शक्तिशाली विमान हवाई युद्धाभ्यास में शामिल होने भारत आ रहा है। इस अभ्यास में 40 से ज्यादा देश हिस्सा लेंगे, जिसमें भारतीय वायु सेना अपने सभी प्रमुख एयरक्राफ्ट तैनात करेगी,जिनमें फ्रंटलाइन राफेल और सुखोई-30 फाइटर जेट शामिल हैं। राजस्थान के जोधपुर में 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक होने वाली मल्टीनेशनल एक्सरसाइज 'तरंग शक्ति' के दूसरे संस्करण में 07 देश अपने विमानों के साथ हिस्सा लेंगे।

इसमें अमेरिका अपने 2-3 एफ-35 कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के साथ, फ्रांस अपने राफेल के साथ और यूएई अपने एफ-16 के साथ शामिल होंगे, जबकि कई अन्य देश ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट जैसे अपने एयरक्राफ्ट के साथ हिस्सा लेंगे।

संपादकीय

चेतावनी पर्याप्त नहीं...

साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए दूरसंचार विभाग ने यह जो चेतावनी जारी की कि सिम कार्ड के दुरुपयोग पर तीन साल की जेल और 50 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है,उससे ऐसा होना बंद होगा,इसमें संदेह है। संदेह का कारण यह है कि दूसरों के दस्तावेज से सिम कार्ड लेने-देने का काम साइबर अपराधी या फिर उनसे मिले हुए सिम कार्ड बेचने वाले करते हैं।

यह ध्यान रहे कि दूरसंचार विभाग को उक्त चेतावनी इसलिए जारी करनी पड़ी,क्योंकि छत्तीसगढ़ में एक प्वाइंट आफ सेल एजेंट ने कुछ नागरिकों के पहचान पत्रों के जरिये 25 सिम कार्ड एक्टिवेट कर दिए थे। इस बारे में इन नागरिकों को कोई जानकारी नहीं थी और न ही उनसे कोई सहमति ली गई थी। स्पष्ट है कि प्वाइंट आफ सेल एजेंट ने इन नागरिकों के पहचान पत्र छल-छद्म से हासिल कर रखे होंगे। चूंकि ऐसा पहली बार नहीं हुआ,इसलिए दूरसंचार विभाग को केवल चेतावनी जारी करने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। साइबर धोखाखड़ी और मोबाइल से जुड़ी अन्य गैर-कानूनी गतिविधियां जिस तरह बढ़ती चली जा रही हैं,उन्हें देखते हुए दूरसंचार विभाग को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिससे कोई दूसरे के नाम पर सिम कार्ड ले ही न सके।

सिम कार्ड बिक्री के नियम-कानूनों को सख्त करने की आवश्यकता इसलिए और बढ़ गई है,क्योंकि साइबर फ्राड के ज्यादातर मामलों में यही सामने आता है कि लोगों को ठगने के लिए फर्जी सिम कार्ड का इस्तेमाल हुआ। इसी तरह यह भी किसी से छिपा नहीं कि साइबर धोखाधड़ी, जो एक तरह की डकैती में बदल गई है, में म्यूल खातों का उपयोग हो रहा है। स्पष्ट है कि बैंकों को भी कमर कसने की जरूरत है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि साइबर धोखाधड़ी के कुछ मामलों में बैंक कर्मियों की मिलीभगत पाई गई है और कुछ बैंक कर्मी पकड़े भी गए हैं। सरकार को इसका आभास होना चाहिए कि पुलिस एवं सुरक्षा एजेंसियां डाल-डाल हैं तो साइबर ठग पात-पात। साइबर ठग सुरक्षा एजेंसियों की आंखों में धूल झोंकने में इसलिए समर्थ हैं,क्योंकि वे डिजिटल तंत्र की कमजोरियों का लाभ उठाने में समर्थ हैं।

एक ऐसे समय जब मोबाइल कनेक्टिविटी और डिजिटल सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है,तब यह देखा ही जाना चाहिए कि डिजिटल तंत्र में ऐसी कौन सी कमजोरियां हैं,जिनका लाभ साइबर अपराधी उठा रहे हैं। इन कमजोरियों के कारण ही वे न केवल लोगों को ठगने,बल्कि उनका पैसा विदेश भेजने में समर्थ रहते हैं। विडंबना यह है कि अधिकांश मामलों में ठगी की राशि वापस नहीं मिल पाती। सरकार को इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है कि साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बाद भी लोग उसके प्रति जागरूक क्यों नहीं हो पा रहे हैं?

“अधिकार खोकर बैठे रहना यह महादुष्कर्म है।”
- मैथलीशरण गुप्त

आईआईटी बॉम्बे के छात्र आत्महत्या से जुड़े सवाल

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

आईआईटी बॉम्बे के द्वितीय वर्ष के बीटेक छात्र साहिल वाकोडे की 18 सितंबर 2026 को हुई मृत्यु ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली, विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव, परीक्षा में बढ़ती अनैतिकता,शिक्षकों की जवाब देही, मानसिक स्वास्थ्य और परिसरों में राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे अनेक गंभीर प्रश्न एक साथ खड़े कर दिए हैं। इस घटना को फिलहाल आत्महत्या के रूप में रिपोर्ट किया गया है,इसके पीछे की परिस्थितियों और किसी व्यक्ति की आपराधिक जिम्मेदारी का निर्धारण जांच का विषय है। मुंबई पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है और जांच आगे बढ़ाई जा रही है। इसलिए किसी व्यक्ति को घटना के लिए दोषी ठहराना जांच पूरी होने से पहले उचित नहीं होगा। घटना से पहले परीक्षा के दौरान साहिल के मोबाइल और कथित रूप से एआई चैटजीपीटी के इस्तेमाल को लेकर संस्थागत कार्रवाई की स्थिति बनी थी। इसके बाद छात्रों में यह धारणा पैदा हुई कि मामले को जिस तरीके से संभाला गया,उसमें पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं थी। संस्थान ने बाद में अपने पूर्व सार्वजनिक बयान के लिए माफी मांगते हुए स्वीकार किया कि जांच पूरी होने से पहले घटना से जुड़े विवरण सार्वजनिक करना उचित नहीं था। संबंधित प्रोफेसर को डीन के प्रशासनिक पद से हटाया गया है,जबकि उनके विरुद्ध दर्ज मामले में अंतिम निष्कर्ष अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

इस घटना के बाद तीन दिनों तक छात्रों का विरोध प्रदर्शन हुआ और 18 सूत्रीय मांगपत्र सामने आया। इन मांगों में स्वतंत्र जांच,शिक्षकों के विरुद्ध शिकायतों की स्पष्ट प्रक्रिया,छात्र-प्रतिनिधित्व,बेहतर काउंसलिंग,चौबीसों घंटे मनोचिकित्सकीय सहायता,शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण और परीक्षा में अनियमितता के मामलों को संभालने के लिए अधिक मानवीय प्रक्रिया जैसी बातें शामिल हैं। आईआईटी बॉम्बे के निदेशक ने छात्रों के साथ बातचीत के बाद इस चार्टर पर हस्ताक्षर किए,हालांकि संस्थान की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि आगे की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार होगी। यहीं से इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। क्या शिक्षा संस्थान में अनुशासन और मानवीय संवेदना एक-दूसरे के विरोधी हैं? निश्चित रूप से नहीं। परीक्षा में नकल, मोबाइल का अनुचित इस्तेमाल अथवा एआई के माध्यम से अनुचित सहायता लेना शिक्षा की विश्वसनीयता के लिए गंभीर चुनौती है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान ऐसी अनैतिकताओं को रोकने में असफल होते हैं तो डिग्री,शोध और प्रतिभा की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। लेकिन दूसरी ओर अनुशासनात्मक कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जिसमें आरोप की निष्पक्ष जांच,छात्र को अपनी बात रखने का अवसर,अपील की व्यवस्था और मानसिक स्थिति को समझने की संवेदनशीलता शामिल हो। अपराध या अकादमिक कदाचार को नजरअंदाज करना भी गलत है और किसी छात्र को बिना समुचित प्रक्रिया के सामाजिक रूप से दोषी ठहरा देना भी।

आज एआई ने शिक्षा के सामने एक बिल्कुल नई चुनौती खड़ी कर दी है। चैटजीपीटी जैसे उपकरण ज्ञान प्राप्त करने,शोध करने और सीखने में उपयोगी हो सकते हैं,लेकिन परीक्षा में अनुचित तरीके से इनका इस्तेमाल शैक्षणिक ईमानदारी का प्रश्न बन जाता है। इसलिए केवल प्रतिबंध पर्याप्त नहीं होंगे। विश्वविद्यालयों को यह स्पष्ट करना होगा कि एआई का उपयोग कहां स्वीकार्य है, कहां निषिद्ध है और उल्लंघन की स्थिति में कौन-सी पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। शिक्षकों को भी केवल दंड देने वाले अधिकारी की भूमिका से आगे बढ़कर मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। साहिल प्रकरण ने जातिगत भेदभाव के आरोपों को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है,जबकि संस्थान की ओर से यह कहा गया कि छात्र ने पहले एससी/एसटी सेल या प्रशासन के समक्ष ऐसी शिकायत नहीं की थी। इन दोनों पक्षों में से सत्य क्या है,इसका निर्णय जांच के बाद ही हो सकता है। लेकिन इससे एक व्यापक तथ्य सामने आता है-किसी भी विद्यार्थी को अपनी जाति, आर्थिक स्थिति,भाषा,क्षेत्र या सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण स्वयं को अकेला या असुरक्षित महसूस नहीं होना चाहिए।

भारत में उच्च शिक्षा को लेकर नियामकीय ढांचा भी लगातार अधिक जवाबदेही और छात्र-केंद्रित व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। यूजीसी की 2023 की छात्र शिकायत निवारण संबंधी नियमावली के साथ-साथ 2026 में प्रमोशन आफ इक्विटी इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन भी सूचीबद्ध हैं। इसका मूल उद्देश्य यही होना चाहिए कि विद्यार्थी के अधिकार सुरक्षित रहें, शिकायतों का स्वतंत्र और समयबद्ध निवारण हो तथा संस्थान अपनी जिम्मेदारी से बच न सकें। लेकिन यहां एक सावधानी भी आवश्यक है। कानून का अर्थ यह नहीं हो सकता कि हर दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद बिना जांच किसी शिक्षक या अधिकारी को अपराधी घोषित कर दिया जाए। शिक्षक निश्चित रूप से कानून से ऊपर नहीं हैं,लेकिन वे कानून की प्रक्रिया से नीचे भी नहीं हैं। यदि किसी शिक्षक ने भेदभाव,उत्पीड़न, धमकी या अन्य गैरकानूनी आचरण किया है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए,लेकिन यदि उसने संस्थागत नियमों के तहत अकादमिक कदाचार पर कार्रवाई की है,तो उस कार्रवाई की वैधानिकता और अनुपातिकता की जांच भी उतनी ही जरूरी है। यही न्यायपूर्ण व्यवस्था का आधार है।

सबसे चिंताजनक पहलू तब सामने आता है जब किसी दुःखद घटना के बाद विश्वविद्यालय का परिसर राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनने लगता है। राजनीतिक दलों और बाहरी संगठनों को छात्रों की आवाज उठाने का लोकतांत्रिक अधिकार है,लेकिन शिक्षा परिसर की मूल प्रकृति बची रहनी चाहिए। यदि हर प्रशासनिक निर्णय राजनीतिक नारों,धरनों और दबाव की राजनीति से तय होने लगे तो विश्व विद्यालय में अकादमिक स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर यदि प्रशासन छात्रों की आवाज को केवल आंदोलन या राजनीति कहकर खारिज कर दे तो संस्थागत विश्वास और कमजोर होगा। रास्ता दोनों के बीच है-संवाद,पारदर्शिता और स्वतंत्र जांच। आईआईटी जैसे संस्थानों से देश केवल इंजीनियर,वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ ही नहीं,बल्कि जिम्मेदार नागरिक भी तैयार करने की अपेक्षा करता है। इसलिए सफलता का पैमाना केवल प्लेसमेंट,रैंकिंग,पेटेंट और वैश्विक प्रतिष्ठा नहीं हो सकता। यह भी देखना होगा कि वहां विद्यार्थी अपने प्रश्न कितनी सहजता से उठा सकता है,शिक्षक से असहमति कितनी सुरक्षित है, शिकायत का समाधान कितनी जल्दी होता है और संकट की घड़ी में संस्थान छात्र के साथ किस तरह खड़ा होता है।

साहिल की मृत्यु को किसी एक प्रोफेसर,किसी एक प्रशासनिक निर्णय या किसी एक राजनीतिक संगठन तक सीमित कर देना इस त्रासदी के व्यापक संदेश को छोटा कर देगा। असली प्रश्न यह है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था प्रतिभा के साथ संवेदना, अनुशासन के साथ संवाद और अधिकार के साथ जवाबदेही का संतुलन कैसे बनाए? छात्रों को ईमानदार होना सीखना होगा, शिक्षकों को संवेदनशील होना होगा,संस्थानों को पारदर्शी होना होगा और सरकार तथा नियामक संस्थाओं को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें कानून सुरक्षा का माध्यम बने, भय का नहीं। भारत को यदि अपनी उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित बनाना है तो केवल विश्व रैंकिंग में ऊपर जाना पर्याप्त नहीं होगा। हमारे विश्वविद्यालयों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां अकादमिक ईमानदारी से कोई समझौता न हो, लेकिन गलती करने वाले विद्यार्थी के लिए सुधार का रास्ता भी बंद न हो। जहां शिक्षक की गरिमा सुरक्षित हो, लेकिन शिक्षक की शक्ति निरंकुश न हो। जहां छात्र की आवाज सुनी जाए, लेकिन हर निर्णय सड़क के दबाव से न हो।

आईआईटी जैसी शिक्षण संस्थाएं ज्ञान, संवाद और चरित्र निर्माण के केंद्र हैं-उन्हें राजनीतिक अखाड़ा बनने से बचाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उन्हें जवाबदेही से मुक्त रखना भी नहीं है। सवाल यह नहीं कि छात्र आंदोलन क्यों कर रहे हैं या राजनीति क्यों पहुंच रही है, बड़ा सवाल यह है कि ऐसी परिस्थितियां बार-बार पैदा ही क्यों होती हैं? जब तक इस प्रश्न का संस्थागत उत्तर नहीं खोजा जाएगा,तब तक हर नई घटना के बाद विरोध, जांच, आरोप और कार्रवाई का चक्र चलता रहेगा।

भारतीय शिक्षा व्यवस्था को अब इस चक्र से आगे बढ़कर ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें अनुशासन भी हो, न्याय भी, उत्कृष्टता भी हो और मानवीयता भी। तभी हम विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान बनाने के अपने संकल्प को वास्तविक अर्थ दे सकेंगे।

कर्ज की वसूली हो,लेकिन कानून की हद में...

सर्वोच्च न्यायालय का महत्वपूर्ण फैसला : वाहन जब्ती में मनमानी,बलप्रयोग और अनुचित समय पर कार्रवाई पर कड़ा संदेश

डॉ. सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

कर्ज लेना एक आर्थिक अनुबंध है। कर्ज की राशि निर्धारित समय पर वापस न मिलने की स्थिति में बैंक या वित्तीय संस्था को अपनी बकाया राशि वसूलने का अधिकार है। लेकिन यह अधिकार असीमित नहीं है। कर्ज की वसूली के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया कानून, ऋण समझौते और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप होनी चाहिए। किसी व्यक्ति के ऊपर कर्ज बकाया होने का अर्थ यह नहीं है कि वित्तीय संस्था उसके साथ बलपूर्वक,अपमानजनक या मनमाने तरीके से व्यवहार कर सकती है। सर्वोच्च न्यायालय का हालिया फैसला इसी महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करता है। मामला उत्तर प्रदेश के हरि दत्ता शर्मा से संबंधित है। उन्होंने वर्ष 2019 में टाटा एसएफसी 407 ट्रक खरीदने के लिए चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से वाहन ऋण लिया था। ट्रक उनके लिए केवल एक वाहन नहीं था,बल्कि उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण साधन था। ऋण की कुछ किस्तें बकाया होने के बाद वित्तीय संस्था और ऋणग्राही के बीच विवाद उत्पन्न हुआ। शर्मा का आरोप था कि 9 अप्रैल 2023 की रात लगभग एक बजे कुछ लोग उनके वाहन को जबरन ले गए। आरोप यह भी था कि वाहन का स्टीयरिंग लॉक तोड़ा गया और निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया गया।

इसके बाद वाहन को बेच दिया गया। मामला पहले उच्च न्यायालय पहुंचा,जहां याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद पीड़ित ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। हरि दत्ता शर्मा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य, 2026 आईएनएससी 998 में सर्वोच्च न्यायालय ने पूरे मामले को केवल इस दृष्टि से नहीं देखा कि ऋण की किस्तें बकाया थीं। न्यायालय ने इस बात पर विशेष ध्यान दिया कि बकाया राशि की वसूली के लिए किस प्रकार की प्रक्रिया अपनाई गई।

सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि ऋणदाता को अपने वैध अधिकारों का प्रयोग करने की अनुमति है,लेकिन अधिकार का इस्तेमाल कानून की सीमा के भीतर ही किया जा सकता है। किसी वित्तीय संस्था का ऋण वसूलने का अधिकार उसे बलपूर्वक वाहन छीनने या कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं देता। ऋण की वसूली और व्यक्ति की गरिमा,दोनों के बीच कानूनी संतुलन आवश्यक है।

इस मामले में ऋण समझौते में वाहन का कब्जा लेने से पहले सात दिन का नोटिस देने का प्रावधान था। न्यायालय ने पाया कि वाहन जब्त करने से पहले इस प्रावधान के अनुसार सात दिन का नोटिस नहीं दिया गया था। इसके अतिरिक्त वाहन को रात लगभग एक बजे ले जाने और स्टीयरिंग लॉक तोड़ने की घटना ने भी मामले को गंभीर बना दिया। न्यायालय ने इस प्रकार की कार्रवाई को विधिसम्मत और शांतिपूर्ण कब्जे की प्रक्रिया के अनुरूप नहीं माना।

यहां यह समझना भी जरूरी है कि सात दिन का नोटिस हर प्रकार के वाहन ऋ्रण की जब्ती के लिए सार्वभौमिक कानूनी नियम के रूप में निर्धारित नहीं किया गया है। इस मामले में सात दिन की अवधि संबंधित ऋण समझौते में निर्धारित थी। इसलिए इस फैसले का सही अर्थ यही है कि यदि ऋण समझौते में किसी निश्चित प्रक्रिया या नोटिस का प्रावधान है तो वित्तीय संस्था को उसका पालन करना होगा। साथ ही लागू कानून और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों का भी पालन आवश्यक है।

सर्वोच्च न्यायालय ने ऋण वसूली के दौरान अनुचित दबाव,उत्पीड़न और बलप्रयोग के प्रश्न को भी गंभीरता से लिया। बैंक और वित्तीय संस्थाएं ऋण वसूली के लिए प्रतिनिधियों या वसूली एजेंटों की सहायता ले सकती हैं,लेकिन ऐसे प्रतिनिधियों को कानून के दायरे में ही कार्य करना होगा। किसी ऋणग्राही को धमकाना,अपमानित करना, असामान्य समय पर परेशान करना या बलपूर्वक संपत्ति पर कब्जा करना वैध वसूली प्रक्रिया का हिस्सा नहीं हो सकता।

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू व्यक्ति की आजीविका से जुड़ा है। यदि कोई ट्रक,टैक्सी,ऑटो या अन्य व्यावसायिक वाहन किसी व्यक्ति की आय का मुख्य साधन है,तो उसे मनमाने तरीके से छीन लेने का प्रभाव केवल संपत्ति के नुकसान तक सीमित नहीं रहता। इससे व्यक्ति और उसके परिवार की आय प्रभावित हो सकती है। इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 से जुड़े अधिकारों पर भी विचार किया। न्यायालय ने इस मामले में वाहन के आजीविका के साधन होने और उसके अनुचित तरीके से छीने जाने को गंभीरता से लिया।

सर्वोच्च न्यायालय ने प्रभावित ऋणग्राही को महत्वपूर्ण राहत भी दी। वित्तीय संस्था को दोनों ऋण खाते बंद करने, वाहन की बिक्री से प्राप्त 4.50 लाख रुपये की राशि वापस करने तथा उस राशि पर बिक्री की तारीख से भुगतान तक छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त मानसिक पीड़ा और आजीविका के नुकसान के लिए 10 लाख रुपये का मुआवजा तथा मुकदमे की लागत के रूप में 50 हजार रुपये देने का आदेश भी दिया गया।

इस फैसले का अर्थ यह नहीं है कि ऋण की किस्तें न चुकाने पर वित्तीय संस्था वाहन जब्त नहीं कर सकती। यदि ऋणग्राही अपने दायित्वों का पालन नहीं करता है तो ऋणदाता के पास कानून और अनुबंध के अनुसार कार्रवाई करने के अधिकार बने रहते हैं। लेकिन उस कार्रवाई की प्रक्रिया कानून सम्मत,पारदर्शी और सम्मानजनक होनी चाहिए। इसी तरह ऋणग्राहियों का भी दायित्व है कि वे ऋण की शर्तों का पालन करें और आर्थिक कठिनाई होने पर वित्तीय संस्था से समय रहते संवाद करें।

आज देश में लाखों परिवार वाहन ऋण लेकर ट्रक,टैक्सी,ऑटो,कार और अन्य व्यावसायिक वाहन खरीदते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोगों के लिए वाहन उनकी रोजी-रोटी का प्रमुख साधन होते हैं। ऐसे में ऋ्रण वसूली की प्रक्रिया में मानवीय संवेदना और कानूनी जवाबदेही दोनों आवश्यक हैं।

सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला एक व्यापक संदेश देता है–कर्ज की वसूली वित्तीय व्यवस्था का आवश्यक हिस्सा है,लेकिन वसूली के नाम पर कानून को ताक पर नहीं रखा जा सकता। ऋणदाता का अधिकार महत्वपूर्ण है तो ऋणग्राही की गरिमा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आर्थिक अनुशासन और विधि का शासन एक-दूसरे के विरोधी नहीं,बल्कि एक स्वस्थ वित्तीय व्यवस्था के दो आवश्यक आधार हैं।

राजकोष पर बोझ या घर में क्रांति? असली सवाल यही है...

नकद की दस्तक...महिला के खाते से घर की अर्थव्यवस्था तक...

कृति आरके जैन,बड़वानी,मध्यप्रदेश

किसी घर की आर्थिक ताकत अलमारी में रखे नोटों से नहीं,उस हाथ से तय होती है जो अगला रुपया खर्च करता है। भारत के करोड़ों घरों में यह फैसला लंबे समय तक उस महिला के हाथ में नहीं था,जो भोजन,बच्चों की पढ़ाई और परिवार की देखभाल संभालती रही। अब सरकारें उसी महिला के बैंक खाते में हर महीने या निश्चित अंतराल पर पैसा भेज रही हैं...न कूपन,न वस्तु,न खर्च की शर्त;सीधा नकद। यही इस बदलाव की असली कहानी है। पीआरएस विधायी अनुसंधान के अनुसार, 2025-26 में 12 राज्यों ने महिलाओं के लिए बड़े पैमाने पर बिना शर्त या लगभग बिना शर्त नकद हस्तांतरण की योजनाएं लागू कीं,जिन पर करीब 1.68 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान था।

नकद सहायता की ताकत रकम में नहीं,उसे खर्च करने की स्वतंत्रता में है। इसे केवल ‘सरकारी पैसा बांटना’ कहना अधूरा है। महिला तय कर सकती है कि पैसा राशन,फीस,दवा,कर्ज या बचत में जाए। अध्ययनों में पश्चिम बंगाल की लक्ष्मी भंडार जैसी योजनाओं में राशि का उपयोग घरेलू खर्च,शिक्षा,चिकित्सा और छोटे कारोबार में होने का उल्लेख है। मध्य प्रदेश में एसबीआई रिसर्च के अनुसार,लाड़ली बहना लाभार्थियों का व्यापारी प्रतिष्ठानों पर खर्च समान गैर-लाभार्थी समूह की तुलना में करीब 9,302 रुपये अधिक बढ़ा। यह हर रुपये के उत्पादक निवेश का प्रमाण नहीं, लेकिन कम आय वाले परिवारों में नकदी बढ़ने से आर्थिक गतिविधि बढ़ सकती है।

अतिरिक्त नकद का असर खर्च के साथ बचत में भी दिखता है। 2026 में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद से जुड़े अध्ययन ने महाराष्ट्र की लाड़की बहिन और ओडिशा की सुभद्रा योजना के बैंकिंग आंकड़ों का विश्लेषण किया। महाराष्ट्र में लाभार्थियों के महीने के अंत के बैंक बैलेंस में करीब 84 प्रतिशत यानी 6,884 रुपये की वृद्धि और मासिक खर्च में 46 प्रतिशत बढ़ोतरी पाई गई। ओडिशा में बैंक बैलेंस करीब 45 प्रतिशत यानी 6,887 रुपये बढ़ा,जबकि खर्च 28 प्रतिशत बढ़ा। अध्ययन के अनुसार,महाराष्ट्र में अतिरिक्त एक रुपये में करीब 90 पैसे खर्च हुए। यानी नकद सहायता तत्काल जरूरतें पूरी करने के साथ निम्न-आय परिवारों की आर्थिक कमी भरती और वित्तीय सुरक्षा देती है।

महिला के खाते में आया पैसा घर की अर्थव्यवस्था के साथ उसकी स्थिति भी बदल सकता है। भोजन,स्वास्थ्य, शिक्षा और बच्चों की जरूरतों पर खर्च की स्वतंत्रता बढ़े तो उसका असर अगली पीढ़ी तक जा सकता है। बैंक खाते और डीबीटी ने बिचौलियों की भूमिका घटाकर भुगतान को अधिक प्रत्यक्ष बनाया है। डिजिटल लेन-देन से वित्तीय समावेशन भी बढ़ सकता है। लेकिन खाते का मालिक होना और पैसे पर वास्तविक नियंत्रण होना एक बात नहीं है। बैंकिंग सुविधा दूर हो, डिजिटल साक्षरता कम हो या परिवार का कोई अन्य सदस्य खाते और मोबाइल पर नियंत्रण रखता हो, तो कागजी स्वायत्तता वास्तविक स्वायत्तता में नहीं बदलती। इसलिए नकद के साथ बैंकिंग सहायता,डिजिटल ज्ञान और वित्तीय साक्षरता जरूरी हैं।

लेकिन इस तस्वीर का दूसरा पहलू भी है,जिसे उत्साह में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पीआरएस के अनुसार, 2025-26 में इन 12 राज्यों में छह ने राजस्व घाटे का अनुमान लगाया था। रिपोर्ट ने रेखांकित किया कि नकद हस्तांतरण पर बढ़ता खर्च दूसरी उत्पादक मदों के लिए राज्यों की वित्तीय गुंजाइश प्रभावित कर सकता है। मध्य प्रदेश में 2025-26 के बजट अनुमान में नकद हस्तांतरण के लिए 20,821 करोड़ रुपये का प्रावधान था,जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद का करीब 1.23 प्रतिशत था। इसलिए सवाल यह नहीं कि महिला को आर्थिक सुरक्षा मिलनी चाहिए या नहीं; असली सवाल है कि इसकी कीमत क्या है और इसे लंबे समय तक वित्तीय रूप से कैसे टिकाया जाएगा।

नकद सहायता पर बड़ा सवाल निर्भरता और अवसर-लागत का है। राज्य की सीमित आय का बड़ा हिस्सा नियमित नकद भुगतान में जाए तो सड़क, सिंचाई, स्कूल,अस्पताल,कौशल और रोजगार जैसी दीर्घकालिक जरूरतों के लिए कम गुंजाइश बच सकती है। लेकिन नकद को केवल‘मुफ्त की रकम’कहना भी सरलीकरण होगा। नियमित आय गरीब परिवारों को कर्ज के दबाव से निपटने, जरूरी खर्च टालने से बचने और आर्थिक फैसले लेने में मदद कर सकती है। इसलिए सवाल ‘नकद या विकास’का नहीं,बल्कि नकद सुरक्षा को रोजगार,कौशल और संपत्ति निर्माण से जोड़ने का है। लक्ष्यीकरण भी अहम है–ढीला हो तो संसाधन गलत जगह जा सकते हैं और कठोर हो तो जरूरतमंद महिलाएं बाहर रह सकती हैं।

भगवान राम के ध्यान से मिलती है ताकत...

संजय गोस्वामी,
अनुशक्तिनगर, मुंबई

आज कल लोग थोड़ा सा कष्ट हुआ घबराहट होने लगती है लेकिन जीवन में रोग से घबराना नहीं चाहिए कल क्या होगा ये सिर्फ और सिर्फ भगवान राम जानता है। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए खुश रहना और खुश रहने के लिए भगवान राम का ध्यान करने से रोग स्वतः ठीक होगा। आपको लगा शुगर ज्यादा हो गया और कुछ हो जाएगा तो ये सोचने से मानसिक दबाब पड़ता है । यह एक प्राचीन प्रथा है जो सदियों से चली आ रही है,लेकिन हाल के वर्षों में शोधकर्ताओं द्वारा स्वास्थ्य पर इसके प्रभावों का अध्ययन करने के कारण इसमें फिर से रुचि पैदा हुई है। कई अध्ययनों ने ध्यान के अनेक लाभों को स्थापित किया है,जिनमें पुरानी बीमारियों के प्रबंधन में इसका उपयोग भी शामिल है। ध्यान का उद्देश्य मन को शांत करना है,इसलिए यह मान लेना स्वाभाविक हो सकता है कि यह अभ्यास अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है। हालांकि यह हर समस्या का अचूक इलाज नहीं है,लेकिन इन मानसिक बीमारियों से पीड़ित कई लोगों को ध्यान करने से कुछ राहत मिलती है । और इसके लाभों को प्रमाणित करने वाले वैज्ञानिक प्रमाण भी मौजूद हैं। एक मेटा-विश्लेषण में पाया गया कि आठ सप्ताह की अवधि के दौरान किए जाने वाले ध्यान कार्यक्रम अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने में सहायक हो सकते हैं। इसमें सबसे उत्तम है भगवान राम का ध्यान जिससे आपके अंदर भगवान राम के कर्म की क्रिया को करने की उत्सुकता होगी और जिस दिन भगवान राम के ध्यान में एक चिंगारी भी आ गई तो समझ लेना आपका जीवन बदल गया और डर ख़त्म होगा। आप नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और शान्ति आपके कदम चूमेंगी और भगवान राम आपको सहायता करेंगे और हमेशा खुश रहेंगे । भगवान राम नाम जप करते हुए ध्यान करेंगे तो स्वास्थ्य लाभ के साथ ही धर्म लाभ भी मिलेंगे। मंत्र जप और ध्यान मंदिर में या अपने घर पर भी कर सकते हैं। जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम किया जाता है,ठीक उसी तरह मन को स्वस्थ रखने के लिए ध्यान किया जाता है। मेडिटेशन करने से ब्लड प्रेशर संतुलित होता है,शरीर में ऊर्जा बढ़ती है, शरीर को ऑक्सीजन ज्यादा मिलती है,जिससे तनाव दूर होता है,नकारात्मक विचार खत्म होते हैं,मन शांत हो जाता है।मंत्र जप पर किए गए आधुनिक शोध चौंकाने वाले परिणाम दे रहे हैं। जब हम राम बोलते हैं तो हमारे मुख, तालु और कंठ में विशेष कंपन उत्पन्न होती हैं। मस्तिष्क पर प्रभाव अल्फा तरंगें बढ़ती हैं : मंत्र जप के दौरान EEG परीक्षणों में मस्तिष्क में अल्फा तरंगों की वृद्धि दर्ज की गई है,जो गहरी शांति और रचनात्मकता से जुड़ी हैं। कॉर्टिसोल घटता है : तनाव हार्मोन कॉर्टिसोल के स्तर में उल्लेखनीय कमी आती है। सेरोटोनिन बढ़ता है : खुशी के हार्मोन सेरोटोनिन का स्तर बढ़ता है,जिससे मूड बेहतर होता है। प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स सक्रिय : निर्णय लेने और आत्म-नियंत्रण से जुड़ा मस्तिष्क का क्षेत्र अधिक सक्रिय होता है। शरीर पर प्रभाव रक्तचाप नियंत्रण : नियमित मंत्र जप से रक्तचाप में स्थिरता आती है। श्वास की लय : राम नाम का जप करते समय श्वास स्वाभाविक रूप से धीमी और गहरी हो जाती है,जो वेगस नर्व को सक्रिय करती है। प्रतिरोधक क्षमता: ध्यान और मंत्र जप से इम्यून सिस्टम बेहतर होता है। नींद की गुणवत्ता : नियमित जप करने वाले लोगों में बेहतर नींद के पैटर्न देखे गए हैं। राम शब्द की ध्वनि विज्ञान रा उच्चारण करते समय मुख पूरा खुलता है और श्वास बाहर आती है... यह शरीर की दूषित ऊर्जा को बाहर निकालता है। म उच्चारण में होंठ बंद होते हैं और कंपन कपाल में गूँजती है ... यह नई ऊर्जा को भीतर स्थिर करती है। इस प्रकार राम नाम एक संपूर्ण श्वास चक्र है। राम नाम जप के आध्यात्मिक फायदे विज्ञान जहाँ समाप्त होता है, वहाँ आध्यात्मिक अनुभव शुरू होता है। राम नाम के जप से होने वाले आध्यात्मिक परिवर्तन क्रमशः इस प्रकार हैं : प्रारंभिक चरण (1 लाख - 10 लाख जप) मन का भटकना कम होता है। दिनचर्या में अनुशासन आता है। क्रोध और अधीरता में स्वाभाविक कमी। भगवान के प्रति जिज्ञासा और प्रेम जागता है। मध्यम चरण (10 लाख - 50 लाख जप) ध्यान में गहराई आती है... मन तेज़ी से स्थिर होता है। जीवन की परिस्थितियों को स्वीकार करना आसान होता है। स्वप्न में राम दर्शन या रामलीला जैसे दृश्य आने लगते हैं। जो बोलते हैं, वह सत्य होने लगता है (वाक् सिद्धि के प्रारंभिक लक्षण)। उच्च चरण (50 लाख : 1 करोड़ जप) चित्त शुद्धि : अवचेतन मन के गहरे संस्कार साफ होने लगते हैं। अजपा जप : राम नाम श्वास के साथ स्वयं चलने लगता है,बिना प्रयास के। भय का अंतः मृत्यु का भय,असफलता का डर...सब धीरे-धीरे समाप्त होता है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सम्पादक

शादी के चार महीने बाद नवविवाहिता की मौत पढ़ाई को लेकर ससुराल में विवाद की जांच

15 सितंबर को पिता को बताई थी मारपीट की बात,17 को चूहामार दवा खाने के बाद अस्पताल में भर्ती हुई थी वर्षा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

शादी के महज चार महीने बाद नवविवाहिता वर्षा यादव (20) की मंगलवार सुबह अंबिकापुर के मिशन अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। 17 सितंबर को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती वर्षा ने चूहामार दवा का सेवन किया था। मौत के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर मारपीट और प्रताडना का आरोप लगाया है। वर्षा के पति का कहना है कि वह बिश्रामपुर में किराये का कमरा लेकर पढ़ाई करना चाहती थी। पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सूरजपुर के प्रगतिनगर निवासी वर्षा यादव की शादी मई 2026 में मैनपाट के लुरैना निवासी अजय यादव से हुई थी। वर्षा आगे पढ़ाई करना चाहती थी। परिजनों के अनुसार उसका बिश्रामपुर कॉलेज में प्रवेश कराया गया था। पढ़ाई को लेकर वह बिश्रामपुर में रहना चाहती थी। वर्षा के पिता उमेश यादव के अनुसार 15 सितंबर को बेटी ने फोन कर ससुराल में विवाद होने की जानकारी दी थी। उसने आरोप लगाया था कि पति ने पेट पर चढ़कर उसका गला दबाया। पिता ने उसे समझाते हुए कहा था कि वह पति-पत्नी से बात करेंगे। इसके दो दिन बाद 17 सितंबर को वर्षा ने पिता को वाट्सऐप पर संदेश भेजा, जिसमें उसने लिखा कि वह जीना नहीं चाहती और उसे सुकून से मरने देने की बात कही। इसके कुछ देर बाद पति अजय ने फोन कर उसकी तबीयत खराब होने और अस्पताल ले जाने की जानकारी दी। बाद में चूहामार दवा खाने की बात बताई।

इलाज के दौरान बिगड़ी तबीयत : परिजन मिशन अस्पताल पहुंचे तो वर्षा आईसीयू में भर्ती थी। 19 सितंबर को तबीयत में कुछ सुधार होने पर पिता ने उससे बात की। पिता के मुताबिक वर्षा ने उस समय भी ससुराल वालों के ठीक नहीं होने की बात कही। परिजनों का कहना है कि वर्षा ने अपनी चाची को मारपीट के फोटो और रिकॉर्डिंग भी भेजी थी। 18 सितंबर को पति द्वारा पैसे मांगने का आरोप भी पिता ने लगाया है।

पति ने पढ़ाई को लेकर विवाद की बात कही : वर्षा के पति अजय यादव ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वर्षा बिश्रामपुर में किराये का कमरा लेकर पढ़ाई करना चाहती थी। वह इस बात को लेकर नाराज थी।

17 सितंबर को उसने चूहामार दवा खा ली, जिसके बाद परिजन उसे उपचार के लिए अंबिकापुर लेकर पहुंचे। चार दिन चले उपचार के बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। नवविवाहिता की मौत के मामले में पुलिस मायके और ससुराल पक्ष के बयानों के आधार पर घटनाक्रम की जांच कर रही है।

प्रोफेशनल कॉर्फबॉल लीग में सरगुजा की प्रज्ञा ने बनाई जगह

तेलुगू लीजेंड्स की ओर से खेल रहीं प्रज्ञा, 20 से अधिक देशों के खिलाडियों के बीच दिखा रहीं प्रतिभा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा की कॉर्फबॉल खिलाड़ी प्रज्ञा मिश्रा ने भारत की पहली प्रोफेशनल कॉर्फबॉल प्रीमियर लीग में जगह बनाकर जिले का नाम रोशन किया है। प्रज्ञा लीग में तेलुगू लीजेंड्स टीम का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। देश के साथ 20 से अधिक देशों के खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली इस प्रतियोगिता में उन्हें बड़े मंच पर प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है। प्रोफेशनल कॉर्फबॉल प्रीमियर लीग के पहले सीजन में आठ फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता में कुल 112 खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी हैं। ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया सहित विभिन्न देशों के खिलाड़ियों के बीच प्रज्ञा का खेलना सरगुजा के खेल जगत के लिए खास उपलब्धि माना जा रहा है। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि भारत में कॉर्फबॉल की शुरुआत 1979 में हुई थी और 1980 में भारत अंतरराष्ट्रीय कॉर्फबॉल महासंघ से जुड़ा। उन्होंने कहा कि प्रोफेशनल लीग में सरगुजा की खिलाड़ी का प्रतिनिधित्व करना जिले के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे क्षेत्र के अन्य खिलाड़ियों को भी आगे बढने की प्रेरणा मिलेगी। प्रज्ञा की उपलब्धि पर सरगुजा जिला कॉर्फबॉल संघ और सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ के पदाधिकारियों सहित खेल प्रेमियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

उदयपुर क्षेत्र में 27 हाथियों की मौजूदगी...15 हेक्टेयर फसल तबाह,जंगल से लगे गांवों में बढ़ी रात की चिंता

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा के उदयपुर वन परिक्षेत्र में हाथियों की मौजूदगी अब ग्रामीणों के लिए सितंबर से शुरू होने वाली सालाना चिंता का कारण बन गई है। ग्रामीणों के अनुसार हाथियों के दल हर वर्ष सितंबर में इस क्षेत्र में पहुंचते हैं और नवंबर तक अलग-अलग इलाकों में विचरण करते हैं। इस बार भी हाथियों की आवाजाही शुरू हो गई है। पहले से मौजूद 15 हाथियों के दल के बाद सोमवार रात कोरिया से सूरजपुर होते हुए 12 हाथियों का एक और दल ग्राम सरमा पहुंच गया। इससे उदयपुर क्षेत्र में हाथियों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है। 15 हाथियों का दल सुखरी भंडार,बिछलघाटी, सायर, ससकालो और लक्ष्मणगढ़ समेत आसपास के जंगलों में विचरण कर रहा है। वहीं 12 हाथियों का दूसरा दल सरमा और आसपास के क्षेत्र में सक्रिय है। इन इलाकों के कई गांव जंगल से लगे हुए हैं। रात के समय हाथियों के गांवों के करीब पहुंचने की आशंका से ग्रामीणों को घरों से बाहर निकलने और जंगल की ओर जाने से बचने की सलाह दी जा रही है।

15 हेक्टेयर फसल को नुकसान

ग्रामीणों के अनुसार हाथियों ने अब तक करीब 15 हेक्टेयर क्षेत्र में लगी फसल को नुकसान पहुंचाया है। हाथियों के दो अलग-अलग दलों में बंटकर विचरण करने से वन विभाग के लिए निगरानी का दायरा भी बढ़ गया है। विभाग की टीमें हाथियों की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं और प्रभावित गांवों में लोगों को सतर्क रहने के लिए कहा जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सितंबर से नवंबर के बीच हाथियों की मौजूदगी हर साल बनी रहती है। ऐसे में इस अवधि में फसल और ग्रामीणों की सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती रहती है। इस बार 27 हाथियों के दो दलों में सक्रिय होने से वन विभाग को एक साथ कई क्षेत्रों में निगरानी करनी पड़ रही है।

राष्ट्रीय कवि संगम ने जगदीश मित्तल को दी श्रद्धांजलि

काव्य पाठ के जरिए किया स्मरण,वक्ताओं ने व्यक्तित्व और साहित्यिक योगदान को याद किया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्मयोगी जगदीश मित्तल 'परमार्थी' के निधन पर संस्था की सरगुजा इकाई ने इंद्रवाटिका में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। जगदीश मित्तल का 3 सितंबर को निधन हुआ था। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक स्थान जगाधरी, हरियाणा में किया गया। कार्यक्रम में संस्था के सरगुजा संरक्षक बीडी लाल ने भावुक होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। संभागीय संयोजक राजेश पाण्डेय 'अब्र' ने श्रीराम वनगमन पथ काव्य यात्रा के दौरान जगदीश मित्तल के अंबिकापुर आगमन का स्मरण करते हुए उनके सरल व्यक्तित्व को याद किया। संस्था के पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. सपन सिन्हा ने उनके व्यक्तित्व और साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डाला। जिलाध्यक्ष राजलक्ष्मी पाण्डेय ने बताया कि संगठन और संगठन से बाहर के कवि उन्हें सम्मानपूर्वक'बाबूजी'कहकर संबोधित करते थे। सचिव कृष्णकांत पाठक ने गीतों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. सुधीर पाठक,गीता दुबे 'सरल',विनोद हर्ष,श्याम बिहारी पाण्डेय,पूनम दुबे,अंजू पाण्डेय और प्रताप पाण्डेय सहित अन्य कवियों ने रचनाओं का पाठ किया। पूनम पाण्डेय, संतोष दास 'सरल',देवेंद्र दुबे और संध्या सिंह ने भी अपनी रचनाओं के माध्यम से श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने बताया कि जगदीश मित्तल को देशभक्ति और भक्तिपूर्ण रचनाओं से विशेष लगाव था। इसी भाव को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम में देशभक्ति और भक्ति से जुड़ी कविताओं की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में बाल संप्रेक्षण गृह की अधीक्षक मधुमती सिंह, असलम खान,अनिल त्रिपाठी,मदारी आर्ट के आनंद कुमार,शीला गुप्ता,आरती इमलिया, मोनू खान और उर्मिला सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संभागीय संयोजक राजेश पाण्डेय ने किया।

संभाग स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

संभाग स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के तहत मंगलवार को विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसमें 19 वर्ष बालक-बालिका क्रिकेट,17 वर्ष बालिका क्रिकेट,19 वर्ष बालक कबड्डी,14 वर्ष बालक-बालिका वॉलीबॉल, 19 वर्ष बालक-बालिका हैंडबॉल,14 वर्ष बालक-बालिका रग्बी तथा 19 वर्ष बालक-बालिका सॉफ्टबॉल के मुकाबले हुए। संभाग के विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा ने निरीक्षण किया। उन्होंने क्रिकेट, वॉलीबॉल और हैंडबॉल मैदान पहुंचकर खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। निरीक्षण के दौरान क्रिकेट का मैट खराब स्थिति में मिला। इस पर डीईओ ने तत्काल नया क्रिकेट मैट उपलब्ध कराने की व्यवस्था कराई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि खिलाड़ियों को खेल सुविधाओं की कमी नहीं होनी चाहिए। प्रतियोगिता के सफल संचालन में वरिष्ठ कोच आनंद धर दीवान के नेतृत्व में व्यायाम शिक्षकों ने योगदान दिया। आयोजन के दौरान खिलाड़ियों को आवश्यक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय को मिले पांच राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार

- विभिन्न श्रेणियों में विश्वविद्यालय,संस्था और स्वयंसेवकों का चयन,सरगुजा संभाग का बढ़ाया गौरव
- कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले ने दी बधाई,कहा...स्वयंसेवकों का समर्पण राष्ट्र निर्माण की नींव

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा, अम्बिकापुर ने राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य स्तरीय पुरस्कार वर्ष 2025-26 के लिए जारी चयन सूची में विश्वविद्यालय से संबंधित संस्थाओं एवं एन एस एस स्वयंसेवकों को विभिन्न श्रेणियों में कुल पांच पुरस्कारों के लिए चयनित किया गया है। विश्वविद्यालय स्तर की श्रेणी में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा, अम्बिकापुर को राज्य चयन सूची में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। संस्था (इकाई) स्तर पर सरगुजा जिले के सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय,अम्बिकापुर का चयन पुरस्कार के लिए किया गया है। वहीं एन एस एस स्वयंसेवक स्तर (महाविद्यालय) की श्रेणी में राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,अम्बिकापुर के श्री शिवम शर्मा तथा शासकीय राम भजन राय एन.ई.एस. स्नातकोत्तर महाविद्यालय,जशपुर नगर की कु. नेहा यादव का चयन हुआ है। एन एस एस स्वयंसेवक स्तर (विद्यालय) में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अधिना, सलका,सूरजपुर की कु. मीना राजवाड़े का चयन किया गया है।

24 सितम्बर को रायपुर में होगा सम्मान समारोह : राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के अवसर पर 24 सितम्बर 2026 को पं. दीनदयाल उपाध्याय सभागार, जी.ई. रोड,रायपुर में राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में चयनित संस्थाओं एवं स्वयंसेवकों को सम्मानित किया जाएगा।

158 इकाइयों के माध्यम से छह जिलों में संचालित हैं रासेयो की गतिविधियां : संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के अंतर्गत कुल 158 इकाइयां कार्यरत हैं। इनमें महाविद्यालय एवं विद्यालय स्तर की इकाइयां शामिल हैं, जो सरगुजा संभाग के छह जिलों में संचालित हैं। इन इकाइयों के माध्यम से स्वयंसेवक समाजसेवा, सामुदायिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले ने सभी पुरस्कार विजेताओं,कार्यक्रम अधिकारियों,प्राचार्यों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों का समर्पण राष्ट्र निर्माण की नींव है। यह उपलब्धि एन एस एस स्वयंसेवकों और प्रभारियों के कठिन परिश्रम, समाजसेवा के प्रति निष्ठा एवं अनुशासन का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी राष्ट्र निर्माण और समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. एस.एन. पाण्डेय ने भी चयनित संस्थाओं एवं स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस उपलब्धि को राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयों द्वारा जमीनी स्तर पर किए जा रहे सामाजिक कार्यों और समर्पण का परिणाम बताया। जिला संगठक श्री खेमकरण अहिरवार ने भी सभी चयनित एन एस एस स्वयंसेवकों एवं संस्थाओं को बधाई दी है।

नए कानूनों के तहत गंभीर मामलों की जांच के लिए पुलिस को रिफ्रेशर ट्रेनिंग

सरगुजा रेंज में 3-3 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, 6 नवंबर तक 2 हजार से अधिक विवेचक होंगे प्रशिक्षित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

नए आपराधिक कानूनों के तहत गंभीर मामलों की विवेचना को प्रभावी बनाने और तकनीकी साक्ष्यों के इस्तेमाल में पुलिस अधिकारियों की दक्षता बढ़ाने के लिए सरगुजा रेंज स्तर पर रिफ्रेशर कोर्स शुरू किया गया है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर रक्षित केंद्र अंबिकापुर में शुरू हुए प्रशिक्षण के प्रत्येक बैच में करीब 180 अधिकारी-कर्मचारी शामिल किए जा रहे हैं।

रेंज के शेष करीब 1838 विवेचकों को चरणबद्ध तरीके से 6 नवंबर तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण का शुभारंभ आईजी दीपक कुमार झा के नेतृत्व और डीआईजी राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण में भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस),भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बी एसए) के प्रावधानों के अनुरूप विवेचना की प्रक्रिया समझाई जा रही है।

तीन दिवसीय प्रत्येक प्रशिक्षण में गंभीर मामलों की जांच के दौरान डिजिटल और फोरेंसिक साक्ष्यों के उपयोग, ई-साक्ष्य, ई-एफआईआर तथा सीसीटीएनएस की प्रक्रिया से संबंधित जानकारी दी जा रही है। इसके लिए लोक अभियोजन अधिकारी,फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ,डिजिटल व फोरेंसिक टीम,सीसीटीएनएस विशेषज्ञ और साइबर अपराध विशेषज्ञों को प्रशिक्षण के लिए शामिल किया गया है।

180 अधिकारियों-जवानों ने लिया प्रशिक्षण

प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, एफएसएल अधिकारी, साइबर टीम के विशेषज्ञ तथा रेंज के विभिन्न जिलों से आए करीब 180 अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी, सहायक नोडल अधिकारी एसडीओपी ग्रामीण राकेश कुमार बघेल और समन्वयक रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत हैं।

नाबालिगों को गाड़ी देने वाले माता-पिता पर कानूनी शिकंजा,सीधे न्यायालय में होगी पेशी

-संवाददाता-
बलरामपुर,22 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

यातायात पुलिस का फरमान जिले में नाबालिग बच्चों द्वारा तेजी से वाहन चलाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए बलरामपुर पुलिस ने सख्त रुख अपना लिया है। मोटर यान अधिनियम की धारा 199(क) के तहत अब बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चला रहे नाबालिगों के माता-पिता या वाहन स्वामियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देश पर सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा (भा.पु.से.),पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर (भा.पु.से.) और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिलेभर में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के पहले चरण में 30 जुलाई 2026 से जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए थे,जिसमें छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को नियम समझाए गए थे। इसके बावजूद उल्लंघन जारी रहने पर पुलिस ने दूसरे चरण में कार्रवाई करते हुए 83 मामलों में कुल 1,23,500 का समन शुल्क वसूला। जागरूकता और चालानी कार्रवाई के बाद भी सुधार न होने पर पुलिस ने अब सख्त प्रावधान लागू कर दिए हैं। वर्तमान में थाना रामानुजगंज (02), यातायात बलरामपुर (02) और चौकी वाड्रफनगर (02) के कुल 06 मामलों में वाहन जप्त कर अभिभावकों के खिलाफ प्रकरण तैयार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

गंभीर अनियमितताओं पर क्योर मेडिकल स्टोर का लाइसेंस निरस्त

बिना दस्तावेज मिलीं एमटीपी किट,फार्मासिस्ट की गैरमौजूदगी से लेकर बिना बिल दवाओं के भंडारण तक सामने आईं कई खामियां

एडीसी जितेन्द्र पाटीदार और औषधि निरीक्षक आलोक मिंज की कार्रवाई,दोनों औषधि अनुज्ञप्तियां तत्काल प्रभाव से निरस्त

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर,22 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के बैकुण्ठपुर क्षेत्र में औषधि प्रशासन विभाग ने मेडिकल स्टोर के संचालन में सामने आई गंभीर अनियमितताओं पर बड़ी कार्रवाई की है,विभाग ने वार्ड क्रमांक 01, जूनापारा,ग्राम बिशुनपुर स्थित मेसर्स क्योर मेडिकल स्टोर की दोनों औषधि अनुज्ञप्तियां तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी हैं,विभागीय निरीक्षण के दौरान पंजीकृत फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति,दवाओं के क्रय-विक्रय से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों का उपलब्ध नहीं होना,शेड्यूल एच-1 रजिस्टर का संधारण नहीं किया जाना तथा एमटीपी किटों के वैध क्रय दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने जैसी कमियां दर्ज की गई थीं। यह कार्रवाई सहायक औषधि नियंत्रक जितेन्द्र पाटीदार के आदेश पर की गई, निरीक्षण एवं कार्रवाई की प्रक्रिया में औषधि निरीक्षक आलोक मिंज भी शामिल रहे,विभाग द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने के बाद फर्म संचालक की ओर से जवाब प्रस्तुत किया गया,लेकिन विभागीय परीक्षण में जवाब को संतोषजनक नहीं माना गया,इसके बाद औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली के प्रावधानों के तहत लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

कई दवाओं के क्रय दस्तावेज नहीं मिले

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकान में उपलब्ध दवाओं के क्रय संबंधी बिल और अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा,विभागीय कार्रवाई के अनुसार कुछ दवाओं के संबंध में आवश्यक क्रय दस्तावेज मौके पर उपलब्ध नहीं कराए जा सके,इनमें Cepocef-50 Dry Syrup, Unocef OF Dry Syrup तथा Cefredro× 200 DT Tablets का उल्लेख किया गया है,दवाओं के क्रय दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने को विभाग ने गंभीर कमी के रूप में दर्ज किया,दवा कारोबार में क्रय बिल और संबंधित अभिलेखों के माध्यम से दवाओं के स्रोत तथा उनके वैध क्रय-विक्रय की जानकारी का सत्यापन किया जाता है। ऐसे में दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने पर विभाग ने फर्म से स्पष्टीकरण मांगा।

राज्यव्यापी विशेष अभियान के दौरान हुआ निरीक्षण

विभागीय जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर के निर्देशानुसार चलाए गए विशेष सघन प्रवर्तन अभियान के तहत हुई,19 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक प्रदेशभर में औषधि प्रतिष्ठानों की जांच का अभियान चलाया गया था, इसी क्रम में 20 अगस्त 2026 को खाद्य एवं औषधि प्रशासन बैकुण्ठपुर की संयुक्त टीम ने क्योर मेडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण किया,निरीक्षण दल में सहायक औषधि नियंत्रक जितेन्द्र पाटीदार तथा औषधि निरीक्षक आलोक मिंज शामिल थे,जांच के दौरान फर्म की प्रोपराइटर एवं पंजीकृत फार्मासिस्ट नुसरतउन निशा दुकान में मौजूद नहीं थीं,विभागीय निरीक्षण के समय दुकान का संचालन उनके पति/कर्मचारी शहंशाह आलम द्वारा किया जा रहा था।

फार्मासिस्ट की गैरमौजूदगी भी बनी कार्रवाई का आधार

औषधि दुकान के निरीक्षण के दौरान पंजीकृत फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति को विभाग ने गंभीरता से लिया, निरीक्षण रिपोर्ट में दर्ज किया गया कि दुकान संचालन के समय संबंधित पंजीकृत फार्मासिस्ट मौके पर उपस्थित नहीं थीं,विभाग ने इसे औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली,1945 के नियम 65(2) के प्रावधानों के संदर्भ में अनियमितता माना,औषधि दुकान के संचालन में निर्धारित शर्तों के पालन और अधिकृत फार्मासिस्ट की उपलब्धता को लेकर विभाग ने जवाब मांगा।

शेड्यूल एच-1 रजिस्टर भी नहीं मिला

निरीक्षण के दौरान Schedule Hv Register के संधारण को लेकर भी कमी सामने आई, विभागीय निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार दुकान में यह रजिस्टर संधारित नहीं पाया गया,इसके अलावा निरीक्षण की तारीख तक दवाओं की बिक्री से संबंधित वैध बिल बुक अथवा बिक्री अभिलेख भी मौके पर उपलब्ध नहीं पाए गए, विभाग ने इन कमियों को औषधि कारोबार से जुड़े अनिवार्य रिकॉर्ड संधारण के संदर्भ में गंभीर माना।

एमटीपी किटों के वैध दस्तावेज नहीं किए गए प्रस्तुत-निरीक्षण के दौरान दुकान में गर्भपात से संबंधित दवाओं की किट भी पाई गईं, विभागीय दस्तावेज के अनुसार इनमें MIFTY Kit (Mifepristone & Misoprostol Tablets) की 11 किट तथा Prega End Kit की 5 किट शामिल थीं, इन किटों के क्रय से संबंधित वैध दस्तावेज अथवा बिल निरीक्षण के दौरान प्रस्तुत नहीं किए जा सके,बाद में कारण बताओ नोटिस के जवाब के साथ भी संबंधित किटों के वैध क्रय-विक्रय दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए, विभाग ने इस बिंदु को विशेष रूप से गंभीरता से लिया और इसे लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई में प्रमुख आधारों में शामिल किया।

21 अगस्त को जारी हुआ कारण बताओ नोटिस-निरीक्षण में सामने आई विभिन्न कमियों के बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने 21 अगस्त 2026 को फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया,नोटिस में निरीक्षण के दौरान दर्ज अनियमितताओं को लेकर फर्म से स्पष्टीकरण मांगा गया,फर्म की प्रोपराइटर श्रीमती नुसरतउन निशा ने 7 सितंबर 2026 को अपना लिखित जवाब प्रस्तुत किया, विभागीय विवरण के अनुसार जवाब में उन्होंने सामने आई कमियों को जानबूझकर नहीं किया जाना बताया तथा भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा नहीं होने का आश्वासन देते हुए सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का अनुरोध किया।

विभाग ने जवाब को नहीं माना संतोषजनक

प्रस्तुत जवाब का विभागीय स्तर पर परीक्षण किया गया,औषधि निरीक्षक द्वारा बिंदुवार परीक्षण के बाद फर्म के स्पष्टीकरण को संतोषजनक नहीं माना गया,विशेष रूप से एमटीपी किटों के संबंध में वैध क्रय दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराएजाने को विभाग ने गंभीर माना, विभाग के अनुसार भविष्य में गलती नहीं दोहराने का आश्वासन उन वैधानिक दस्तावेजों की कमी को पूरा नहीं करता,जिनसे दवाओं के वैध स्रोत और क्रय की पुष्टि की जा सके, इसके बाद अनुज्ञापन प्राधिकारी ने फर्म के विरुद्ध लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की।

दोनों औषधि लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त

सहायक औषधि नियंत्रक, बैकुण्ठपुर जिला कोरिया जितेन्द्र पाटीदार द्वारा जारी आदेश में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली, 1945 के नियम 66(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए क्योर मेडिकल स्टोर को जारी दोनों औषधि अनुज्ञप्तियों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया, निरस्त की गई अनुज्ञप्तियों में 20/RLF20CT2024004215 एवं 21/RLF21CT2024004213 शामिल हैं,लाइसेंस निरस्त होने के बाद संबंधित फर्म इन अनुज्ञप्तियों के आधार पर औषधि कारोबार नहीं कर सकेगी।

मूल लाइसेंस जमा कराने के निर्देश

विभाग ने फर्म को दोनों मूल औषधि लाइसेंस संबंधित कार्यालय में तत्काल जमा कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही दुकान में उपलब्ध शेष औषधि स्टॉक के संबंध में भी नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया है, स्टॉक के निपटारे के लिए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली के नियम 66 के तहत प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

पुलिस थाना और दवा विक्रेता संघ को भेजी गई प्रति

लाइसेंस निरस्तीकरण आदेश की प्रतिलिपि आवश्यक कार्रवाई के लिए थाना प्रभारी, पुलिस थाना चरचा,जिला कोरिया को भी भेजी गई है,इसके अलावा आदेश की एक प्रति सचिव,जिला दवा विक्रेता संघ,बैकुण्ठपुर को भी प्रेषित की गई है,कार्रवाई के बाद जिले के मेडिकल स्टोर संचालकों के बीच भी चर्चा तेज हो गई है,दवाओं के क्रय-विक्रय से संबंधित बिल,रजिस्टर,फार्मासिस्ट की उपलब्धता तथा संवेदनशील दवाओं से जुड़े अभिलेखों के संधारण को लेकर अब संचालकों को अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता होगी।

अनियमित गतिविधियों का संघ समर्थन नहीं करता : शैलेश गुप्ता

जिला दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष शैलेश गुप्ता ने कहा कि संघ किसी भी प्रकार की अनियमित अथवा नियम विरुद्ध गतिविधियों का समर्थन नहीं करता, सभी दवा विक्रेताओं को शासन और औषधि प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों,कानूनों एवं दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए,उन्होंने कहा कि दवाओं के क्रय-विक्रय से संबंधित बिल,रजिस्टर और अन्य अभिलेखों का विधिवत संधारण किया जाना चाहिए। संवेदनशील दवाओं की बिक्री में विशेष सावधानी बरतना भी जरूरी है,उन्होंने जिले के सभी दवा विक्रेताओं से अपने प्रतिष्ठानों का संचालन निर्धारित नियमों के अनुरूप करने की अपील की,ताकि आम लोगों को सुरक्षित एवं वैध औषधियां उपलब्ध हो सकें,लंबे समय बाद लाइसेंस निरस्तीकरण की इस कार्रवाई ने जिले में औषधि दुकानों के संचालन और रिकॉर्ड व्यवस्था को लेकर विभागीय निगरानी की गंभीरता को सामने ला दिया है, अब निगाह इस बात पर रहेगी कि आने वाले समय में अन्य औषधि प्रतिष्ठानों में भी इसी तरह निरीक्षण और दस्तावेजों की जांच का अभियान आगे बढ़ता है या नहीं।

एमसीबी-कोरिया में योग्य शिक्षक होने के बावजूद सूरजपुर से डीईओ-बीईओ क्यों?

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उठाए सवाल,मनेंद्रगढ़ खड़गवां,सोनहत और भरतपुर में स्थानीय शिक्षकों की अनदेखी का लगाया आरोप

-रवि सिंह-

मनेन्द्रगढ़/कोरिया,22 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

एमसीबी और कोरिया जिले में शिक्षा विभाग में अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं,भरतपुर-सोनहत क्षेत्र के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सोशल मीडिया के माध्यम से शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली और अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर सवाल खड़े किए हैं,उन्होंने पूछा है कि जब एमसीबी-कोरिया जिले में योग्य शिक्षक उपलब्ध हैं,तो शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण पदों पर सूरजपुर जिले से शिक्षकों और अधिकारियों को जिम्मेदारी क्यों दी जा रही है? पूर्व विधायक द्वारा किए गए फेसबुक पोस्ट में सीधे तौर पर लिखा गया है..."एमसीबी/कोरिया में योग्य शिक्षक होने के बावजूद सूरजपुर जिले से डीईओ, बीईओ क्यों?"इसके बाद उन्होंने कहा है कि जिले में पात्र शिक्षक मौजूद हैं,इसके बावजूद मनेंद्रगढ़, खड़गवां,सोनहत और भरतपुर विकासखंड में सूरजपुर निवासी शिक्षकों को शिक्षा अधिकारी बनाया गया है, उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर एमसीबी-कोरिया के शिक्षकों की अनदेखी क्यों की जा रही है।

सोशल मीडिया पोस्ट के बाद चर्चा तेज-गुलाब कमरो की इस पोस्ट के सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में पदस्थापना को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है,पोस्ट में उन्होंने किसी एक पदस्थापना तक सवाल सीमित नहीं रखा, बल्कि जिले के अलग-अलग विकासखंडों में अधिकारियों की जिम्मेदारी को लेकर व्यापक सवाल उठाया है,उनका कहना है कि एमसीबी और कोरिया क्षेत्र में लंबे समय से कार्यरत तथा पात्र शिक्षक उपलब्ध हैं,ऐसे में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अधिकारियों और शिक्षकों को जिम्मेदारी देने के बजाय दूसरे जिले से शिक्षकों को महत्वपूर्ण प्रशासनिक दायित्व सौंपे जाने का कारण स्पष्ट होना चाहिए, हालांकि,सोशल मीडिया पोस्ट में जिन अधिकारियों की पदस्थापना का उल्लेख किया गया है, उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया, पात्रता,प्रतिनियुक्ति अथवा अतिरिक्त प्रभार से संबंधित मूल आदेश सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है,इसलिए पदस्थापना नियमों के अनुरूप है अथवा नहीं,इसका अंतिम निष्कर्ष संबंधित विभागीय आदेश और लागू नियमों के परीक्षण के बाद ही निकाला जा सकता है।

सोनहत में अतिरिक्त प्रभार को लेकर पहले से उठ रहे सवाल-इस पूरे मामले में सोनहत विकासखंड में बीईओ की जिम्मेदारी को लेकर भी सवाल सामने आए हैं,पूर्व विधायक की आपत्ति का एक प्रमुख आधार यह है कि एमसीबी-कोरिया क्षेत्र में उपलब्ध स्थानीय शिक्षकों के रहते दूसरे जिले से जुड़े शिक्षक को शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा रही है, बीईओ का पद केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी तक सीमित नहीं होता, विकासखंड के स्कूलों की शैक्षणिक व्यवस्था, शिक्षकों की उपस्थिति,विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन,निरीक्षण, विभिन्न शासकीय निर्देशों का पालन और विद्यालयों से संबंधित प्रशासनिक कार्यों की निगरानी भी इसी व्यवस्था का हिस्सा होती है, ऐसे में स्थानीय स्तर पर पदस्थापन को लेकर उठे सवालों का जवाब विभागीय स्तर पर दिया जाना महत्वपूर्ण हो जाता है।

मनेंद्रगढ़ से भरतपुर तक सवाल-गुलाब कमरो ने अपनी पोस्ट में मनेंद्रगढ़, खड़गवां,सोनहत और भरतपुर विकासखंडों का विशेष रूप से उल्लेख किया है,उनका सवाल केवल यह नहीं है कि दूसरे जिले के शिक्षक यहां क्यों पदस्थ हैं,बल्कि यह भी है कि एमसीबी-कोरिया में उपलब्ध पात्र शिक्षकों को इन जिम्मेदारियों से दूर क्यों रखा जा रहा है,स्थानीय शिक्षकों और अधिकारियों को प्रशासनिक जिम्मेदारी मिलने से क्षेत्रीय परिस्थितियों,विद्यालयों की स्थानीय समस्याओं और विभागीय आवश्यकताओं की बेहतर जानकारी होने की बात आम तौर पर कही जाती है,दूसरी ओर,शासन की पदस्थापना व्यवस्था में प्रशासनिक आवश्यकता, पात्रता, अनुभव, वरिष्ठता और विभागीय आदेश भी महत्वपूर्ण आधार हो सकते हैं,इसलिए इस विवाद में वास्तविक स्थिति जानने के लिए संबंधित पदों के आदेश और पात्रता संबंधी प्रावधानों को सामने रखना जरूरी होगा।

डीईओ और बीईओ की पदस्थापना पर पारदर्शिता की मांग-शिक्षा विभाग में जिला शिक्षा अधिकारी और विकासखंड शिक्षा अधिकारी जैसे पदों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण होती है,ऐसे पदों पर नियुक्ति या अतिरिक्त प्रभार को लेकर यदि स्थानीय स्तर पर सवाल उठते हैं तो विभाग के लिए आदेशों की स्थिति स्पष्ट करना जरूरी हो जाता है,विशेषकर तब, जब किसी जनप्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से यह सवाल उठाया जाए कि जिले में योग्य शिक्षक उपलब्ध होने के बावजूद दूसरे जिले के शिक्षकों को जिम्मेदारी दी जा रही है, इससे यह जानना भी जरूरी हो जाता है कि संबंधित पदों के लिए शासन ने कौन-से नियम निर्धारित किए हैं और मौजूदा पदस्थापना उन्हीं नियमों के तहत हुई है या किसी विशेष प्रशासनिक व्यवस्था के तहत।

सवाल सिर्फ पदस्थापना का नहीं, प्रक्रिया का भी-गुलाब कमरो की फेसबुक पोस्ट ने एक व्यापक सवाल खड़ा किया है क्या शिक्षा विभाग की पदस्थापनाओं में स्थानीय पात्रता और अनुभव को पर्याप्त महत्व दिया जा रहा है? यदि विभाग के पास इसके स्पष्ट नियम और आदेश हैं, तो उन्हें सार्वजनिक करने से स्थिति स्पष्ट हो सकती है,वहीं यदि किसी अधिकारी को दूसरे जिले से लाकर अतिरिक्त प्रभार दिया गया है, तो उसके पीछे प्रशासनिक कारण क्या हैं,यह भी विभाग द्वारा बताया जाना चाहिए,इससे सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं और आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति के बजाय दस्तावेजों के आधार पर वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी,फिलहाल पूर्व विधायक गुलाब कमरो की पोस्ट ने शिक्षा विभाग की पदस्थापना व्यवस्था को लेकर बहस जरूर शुरू कर दी है, उनके द्वारा उठाए गए सवालों पर शिक्षा विभाग का आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि संबंधित पदस्थापनाएं किन नियमों और प्रशासनिक परिस्थितियों के आधार पर की गई हैं। वहीं,स्थानीय स्तर पर यह मांग भी उठ रही है कि एमसीबी-कोरिया में उपलब्ध पात्र और अनुभवी शिक्षकों को शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने की प्रक्रिया को स्पष्ट और पारदर्शी बनाया जाए।

खेल के मैदान से युवाओं ने दिया एकता,अनुशासन और सद्भाव का संदेश

फाइनल में खेलो इंडिया सेंटर को 2-0 से हराकर गंझाडाड़ की टीम बनी विजेता

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,22 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में जनसहभागिता के साथ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय राजीव गांधी महाविद्यालय,अम्बिकापुर के खेल मैदान में सद्भावना फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं ने खेल भावना के साथ आपसी सद्भाव, अनुशासन,टीम भावना और एकता का संदेश दिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ नगर निगम अम्बिकापुर के सभापति श्री हरमिन्दर सिंह टिन्नी ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ अनुशासन और सामूहिकता की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम बताया। सद्भावना फुटबॉल प्रतियोगिता में खेलो इंडिया सेंटर, दशमेश पब्लिक स्कूल,गंझाडाड़,सेंट जॉन्स पब्लिक स्कूल एवं लक्ष्य एकेडमी अम्बिकापुर सहित कुल पांच टीमों ने भाग लिया। खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ मैदान में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला दशमेश पब्लिक स्कूल अम्बिकापुर और गंझाडाड़ की टीम के बीच खेला गया,जिसमें गंझाडाड़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। विभिन्न मुकाबलों के बाद खेलो इंडिया सेंटर और गंझाडाड़ की टीमों ने फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में गंझाडाड़ की टीम ने खेलो इंडिया सेंटर के विरुद्ध बेहतर तालमेल और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए 2-0 से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। खेलो इंडिया सेंटर की टीम उपविजेता रही।

दो मोटर पंप चोरी करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार एक नाबालिग शामिल पुलिस ने भेजा जेल

-संवाददाता-

चलगली,22 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के चलगली थाना क्षेत्र अंतर्गत धान के खेतों की सिंचाई के लिए तालाब में लगाए गए मोटर पंप चोरी करने के मामले में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों में एक बालिग और एक अपचारी बालक शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर उन्हें न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम डोंगरो निवासी प्रार्थी अर्जुन (पिता रूपचंद) और उनके भाई चंद्रशेखर सिंह ने अपने धान की फसल में पानी डालने के लिए गाँव के तालाब में 2 एचपी के दो अलग-अलग कंपनियों (सिल्वर एवं सी.आर.आई.) के मोटर पंप लगाए थे। बीते 17 सितंबर 2026 की सुबह जब वे तालाब पहुँचे तो दोनों पंप गायब थे। पीड़ितों ने चोरी की जानकारी आसपास के मोटर मिस्त्रियों–दयाराम, अगस्त गुप्ता और मनोज राम–को देते हुए सतर्क रहने को कहा था। 21 सितंबर को मिस्त्री दयाराम ने पीड़ित को सूचना दी कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल पर दो मोटर पंप बेचने आए हैं।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत...एक की मौत,महिला घायल

-संवाददाता-

लखनपुर,22 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

लखनपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलदगी में मंगलवार की शाम लगभग 4 बजे दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। सड़क हादसे में बाइक सवार देवधन दास की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी सिद्धि दास गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल महिला को उपचार के लिए लखनपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवधन दास, पिता दलवीर दास, उम्र लगभग 40 वर्ष, निवासी चांदो, मंगलवार की शाम अपनी पत्नी सिद्धि दास के साथ बाइक से अपने गांव चांदो जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम पंचायत बेलदगी निवासी दिलीप कुजूर अपने घर शिकारीपारा की ओर जा रहे थे। इसी बीच दोनों बाइक सवारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि देवधन दास की मौत हो गई। वहीं, उनकी पत्नी सिद्धि दास गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें तत्काल लखनपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

CMYK

वार्ड 7 से शुरू हुआ सफर,अब बैकुंठपुर की अध्यक्षी पर नजर!

नगरसेना की नौकरी छोड़ राजनीति में आए,वार्ड 7 से शुरू हुआ सफर वार्ड 6 तक पहुंचा,दो बार पार्षद और 12 मत लेकर बने उपाध्यक्ष

दो बार पार्षद, उपाध्यक्ष की कुर्सी पर 12 मत–अब अध्यक्ष पद की दौड़ में आशीष यादव 'लल्ला'

नगरसेना से सियासत तक लल्ला का सफर,अब बैकुंठपुर की अध्यक्षी पर नजर

वार्ड 7 की पहली जीत से अध्यक्ष पद की दावेदारी तक, लल्ला का राजनीतिक सफर चर्चा में...

शैलेश शिवहरे को हराकर दूसरी बार पार्षद बने लल्ला, अब अध्यक्षी की दावेदारी पर निगाह...

20 मतों में 12 अपने पक्ष में किए,उपाध्यक्ष बने लल्ला,अब अध्यक्ष पद की तैयारी?

-राजन पाण्डेय-

बैकुंठपुर,22 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले का पहला नगर शहर बैकुंठपुर एक बार फिर नगर पालिका चुनाव की राजनीतिक सरगर्मी के बीच खड़ा है, इस चुनाव को लेकर शहर की राजनीति में अभी से तरह-तरह के सवाल उठने लगे हैं,इस बार नगर पालिका में किसकी सरकार बनेगी,कौन से चेहरे मैदान में उतरेंगे,दोनों राष्ट्रीय दल किस रणनीति के साथ चुनाव लड़ेंगे और आखिर शहर की सत्ता की कुर्सी किसके हिस्से आएगी–इन सवालों के जवाब चुनावी तस्वीर साफ होने के साथ ही सामने आएंगे। सबसे ज्यादा चर्चा फिलहाल नगर पालिका अध्यक्ष पद के संभावित उम्मीदवारों को लेकर है,कांग्रेस की ओर से अध्यक्ष पद का उम्मीदवार कौन होगा,यह अभी स्पष्ट नहीं है,पार्टी स्तर पर अंतिम निर्णय सामने आना बाकी है,लेकिन इस बीच एक नाम ऐसा है जिसकी राजनीतिक यात्रा,नगर पालिका में अनुभव और संगठन में सक्रियता के कारण अध्यक्ष पद की दावेदारी को लेकर चर्चा हो रही है। यह नाम है आशीष यादव उर्फ 'लल्ला' का, आशीष यादव का पूरा नाम आशीष यादव है, जबकि शहर की राजनीति और आम लोगों के बीच वे 'लल्ला' नाम से भी पहचाने जाते हैं, बैकुंठपुर निवासी आशीष यादव ने राजनीति में आने से पहले नगरसेना में नौकरी की,वर्ष 2007 से 2015 तक नगरसेना में सेवा देने के बाद वर्ष 2015 में नौकरी छोड़कर राजनीति की राह पकड़ी,इसके बाद उन्होंने चुनावी राजनीति में अपना पहला कदम पार्षद के चुनाव से रखा और फिर लगातार नगर पालिका की राजनीति में अपनी जगह बनाते चले गए।

नगरसेना की नौकरी छोड़ी और राजनीति में उतरे

आशीष यादव की राजनीतिक यात्रा को समझने के लिए उनके पुराने सफर पर नजर डालना जरूरी है, वर्ष 2007 से 2015 तक वे नगरसेना की नौकरी में रहे,वर्ष 2015 में नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में आने का प्रयास शुरू किया,राजनीति में आने के बाद उन्होंने सीधे बड़े पद की तरफ कदम नहीं बढ़ाया,बल्कि पार्षद का चुनाव लड़कर अपनी राजनीतिक जमीन तैयार की, पहली बार उन्होंने वार्ड क्रमांक 7 से पार्षद का चुनाव लड़ा,इस चुनाव में उनका मुकाबला घनश्याम साहू से हुआ,आशीष यादव ने घनश्याम साहू को हराकर पहली बार पार्षद का चुनाव जीता, यह जीत उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत थी,पहली बार चुनाव जीतने के बाद उन्होंने नगर पालिका की राजनीति को नजदीक से समझा और वार्ड स्तर पर अपनी सक्रियता बनाए रखी, एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि जब आशीष यादव ने पहली बार वार्ड क्रमांक 7 से चुनाव लड़ा था, तब उनका घर वार्ड क्रमांक 14 में था, यानी उन्होंने अपने निवास वाले वार्ड से चुनाव नहीं लड़ा, बल्कि वार्ड 7 से चुनाव मैदान में उतरे और जीत दर्ज की।

2021 में वार्ड 6 से फिर मैदान में उतरे

पहली बार पार्षद बनने के बाद आशीष यादव ने राजनीति में अपनी सक्रियता जारी रखी, इसके बाद वर्ष 2021 में उन्होंने वार्ड क्रमांक 6 से दोबारा पार्षद का चुनाव लड़ा,इस बार उनके सामने कोई सामान्य राजनीतिक चेहरा नहीं,बल्कि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेश शिवहरे थे,शैलेश शिवहरे नगर पालिका की राजनीति में पहले से पहचान रखने वाला नाम थे और उन्हें अध्यक्ष पद के लिए दावेदार माने जाने की बात भी सामने आती रही थी, लेकिन 2021 के चुनाव में आशीष यादव ने शैलेश शिवहरे को पराजित कर दिया और दूसरी बार पार्षद निर्वाचित हुए, इस चुनाव के साथ आशीष यादव की राजनीतिक स्थिति पहले से अलग हो गई। पहली जीत जहां उनके राजनीतिक प्रवेश की पहचान थी, वहीं दूसरी जीत ने नगर पालिका की राजनीति में उनके प्रभाव को और सामने ला दिया,इस बार भी एक दिलचस्प बात यह रही कि जब वे वार्ड क्रमांक 6 से चुनाव लड़े, तब उनका घर वार्ड क्रमांक 12 में था, यानी पहली बार वार्ड 7 और दूसरी बार वार्ड 6 से चुनाव लड़ने वाले आशीष यादव का निवास दोनों ही चुनावों के समय संबंधित चुनावी वार्ड में नहीं था। इसके बावजूद दोनों चुनावों में उन्होंने जीत दर्ज की।

20 मतों में 12 मत लेकर बने नगर पालिका उपाध्यक्ष–2021 का चुनाव आशीष यादव के राजनीतिक सफर में एक और महत्वपूर्ण मोड़ लेकर आया,पार्षद बनने के बाद नगर पालिका में उपाध्यक्ष पद का चुनाव हुआ, इस चुनाव में आशीष यादव का मुकाबला भानु पाल से हुआ,कुल 20 मतों में आशीष यादव को 12 मत मिले,जबकि भानु पाल को 8 मत प्राप्त हुए, इस तरह आशीष यादव ने 4 मतों के अंतर से उपाध्यक्ष पद का चुनाव जीत लिया और नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के उपाध्यक्ष बने, यही वह समय था जब एक वार्ड पार्षद के रूप में शुरू हुई उनकी राजनीतिक यात्रा नगर पालिका के महत्वपूर्ण पद तक पहुंच गई।

अध्यक्ष की कुर्सी भाजपा के पास गई, उपाध्यक्ष पद कांग्रेस के पास रहा–2021 की नगर पालिका परिषद में अध्यक्ष पद का समीकरण कांग्रेस के लिए अपेक्षित नहीं रहा, अध्यक्ष की कुर्सी भाजपा के पास चली गई,ऐसे राजनीतिक माहौल में कांग्रेस की ओर से उपाध्यक्ष पद संभालने की जिम्मेदारी आशीष यादव के पास आई,आशीष यादव के लिए यह स्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि अध्यक्ष पद भले ही उनके दल के पास नहीं था,लेकिन उपाध्यक्ष के रूप में वे नगर पालिका परिषद की कार्यप्रणाली का हिस्सा बने,उपाध्यक्ष रहते हुए उन्होंने अपने वार्ड के साथ-साथ शहर के अलग-अलग मुद्दों को लेकर सक्रिय रहने का प्रयास किया,उनके समर्थक उनके इसी कार्यकाल को अब अध्यक्ष पद की संभावित दावेदारी के आधार के रूप में देखते हैं।

कांग्रेस ने बनाया ब्लॉक अध्यक्ष, बढ़ा संगठनात्मक दायरा–आशीष यादव की राजनीतिक सक्रियता केवल नगर पालिका तक सीमित नहीं रही,इस बार उन्हें कांग्रेस का ब्लॉक अध्यक्ष भी बनाया गया,ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद उनका संगठनात्मक दायरा भी बढ़ा,नगर पालिका के पार्षद और उपाध्यक्ष के रूप में स्थानीय राजनीति का अनुभव और कांग्रेस संगठन में जिम्मेदारी–इन दोनों को उनके समर्थक अध्यक्ष पद की दावेदारी के लिए महत्वपूर्ण आधार के रूप में देखते हैं, यही वजह है कि नगर पालिका अध्यक्ष पद की चर्चा शुरू होते ही आशीष यादव का नाम भी सामने आने लगा है।

लेकिन अध्यक्ष पद की राह इतनी आसान भी नहीं–आशीष यादव की राजनीतिक यात्रा भले ही लंबी हो चुकी हो, लेकिन नगर पालिका अध्यक्ष पद की दावेदारी का अगला चरण पूरी तरह पार्टी के निर्णय पर निर्भर करेगा,सबसे बड़ा सवाल यही है कि कांग्रेस किसे अपना अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाएगी? अभी तक इस संबंध में कोई अंतिम नाम सामने नहीं आया है,इसलिए आशीष यादव को अध्यक्ष पद का अधिकृत उम्मीदवार मान लेना जल्दबाजी होगी,कांग्रेस के भीतर टिकट को लेकर अलग-अलग राजनीतिक समीकरण बन सकते हैं। पार्टी किस चेहरे को मैदान में उतारेगी,यह संगठन के निर्णय के बाद ही स्पष्ट होगा, आशीष यादव के सामने भी यही चुनौती है कि पार्षद और उपाध्यक्ष के रूप में उनके अनुभव को पार्टी अध्यक्ष पद की उम्मीदवारी के लिए कितना महत्व देती है।

वार्ड की राजनीति से शहर की अध्यक्षी तक पहुंचने की कोशिश–आशीष यादव की राजनीतिक यात्रा को अगर क्रम से देखा जाए तो यह एक सामान्य नौकरी से शुरू होकर स्थानीय राजनीति के महत्वपूर्ण पद तक पहुंचने की कहानी है,2007 से 2015–नगरसेना में नौकरी,2015–नौकरी छोड़कर राजनीति की ओर कदम,पहली बार वार्ड क्रमांक 7 से पार्षद का चुनाव,घनश्याम साहू को हराकर पहली बार पार्षद, 2021–वार्ड क्रमांक 6 से दूसरी बार पार्षद का चुनाव,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेश शिवहरे को हराकर दूसरी बार पार्षद,उपाध्यक्ष चुनाव में भानु पाल के मुकाबले 20 में से 12 मत, नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के उपाध्यक्ष बने,इसके बाद कांग्रेस संगठन में ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी,अब इसी राजनीतिक सफर के बाद अध्यक्ष पद की संभावित दावेदारी की चर्चा सामने है।

वार्ड 6 में श्रीराम चौक से शहीद स्मारक तक काम

आशीष यादव के अनुसार उपाध्यक्ष और पार्षद रहते हुए वार्ड क्रमांक 6, परियोजना कॉलोनी में कई विकास कार्य कराए गए,इनमें प्रमुख रूप से परियोजना कॉलोनी में श्रीराम चौक का निर्माण,हाई स्कूल में शहीद स्मारक का निर्माण,हाई स्कूल में लाइट स्थापना का कार्य शामिल है,आशीष यादव का कहना है कि ये सभी कार्य पार्षद निधि से कराए गए,इन कार्यों को वे अपने जनप्रतिनिधित्व के दौरान किए गए कार्यों के रूप में सामने रखते हैं,वार्ड स्तर की राजनीति में सड़क,चौक,प्रकाश व्यवस्था और सार्वजनिक स्थलों का विकास सीधे लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ा होता है। यही कारण है कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान कराए गए कार्यों को प्रमुखता से जनता के सामने रखा जाता है।

लोगों के बीच मिलनसार व्यवहार की भी चर्चा...

आशीष यादव को लेकर उनके समर्थकों की ओर से एक और बात प्रमुखता से कही जाती है-उनका मिलनसार व्यवहार,स्थानीय राजनीति में केवल चुनाव जीतना ही किसी जनप्रतिनिधि की पहचान नहीं बनाता,लोगों के बीच रहना,आम लोगों से मिलना और उनकी समस्याओं को सुनना भी राजनीतिक सफर का हिस्सा होता है, आशीष यादव के समर्थक मानते हैं कि पार्षद और उपाध्यक्ष रहते हुए उन्होंने लोगों के बीच अपनी पहुंच बनाए रखी और इसी कारण शहर में उनका एक अलग संपर्क क्षेत्र बना, हालांकि राजनीतिक दावेदारी के संदर्भ में किसी नेता की लोकप्रियता का अंतिम आकलन चुनावी परिणाम से ही होता है,फिलहाल इतना जरूर है कि उनका नाम अध्यक्ष पद की संभावित दावेदारी को लेकर चर्चा में है।

लल्ला की दावेदारी में उनके समर्थक गिना रहे ये आधार,आशीष यादव के समर्थकों के अनुसार अध्यक्ष पद की चर्चा में उनके नाम के पीछे मुख्य रूप से ये बातें हैं...

- **पहला:-** दो बार पार्षद का चुनाव जीतने का अनुभव।
- **दूसरा:-** नगर पालिका उपाध्यक्ष के रूप में परिषद की कार्यप्रणाली का अनुभव।
- **तीसरा:-** 20 में से 12 मत हासिल कर उपाध्यक्ष बनने का चुनावी रिकॉर्ड।
- **चौथा:-** वार्ड क्रमांक 6 में श्रीराम चौक, शहीद स्मारक और हाई स्कूल में लाइट स्थापना जैसे कार्यों का दावा।
- **पांचवां:-** लोगों के बीच मिलनसार व्यवहार और जनसंपर्क।
- **छठा:-** कांग्रेस संगठन में ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी, इन आधारों के कारण कांग्रेस के भीतर उनके नाम को अध्यक्ष पद की संभावित दावेदारी से जोड़कर देखा जा रहा है।

अब कांग्रेस के फैसले पर टिकी नजर–बैकुंठपुर नगर पालिका चुनाव की तस्वीर अभी पूरी तरह साफ नहीं हुई है,अध्यक्ष पद के लिए कौन मैदान में उतरेगा, कांग्रेस और भाजपा किस रणनीति से चुनाव लड़ेंगे और शहर की जनता किस मुद्दे को प्राथमिकता देगी...इन सभी सवालों के जवाब आगे सामने आएंगे, फिलहाल कांग्रेस के सामने उम्मीदवार चयन का सवाल है और आशीष यादव 'लल्ला' का नाम इसी चर्चा के बीच सामने है,उनकी राजनीतिक यात्रा में नगरसेना की नौकरी से लेकर दो बार पार्षद और फिर नगर पालिका उपाध्यक्ष बनने तक कई पड़ाव हैं,अब वे अध्यक्ष पद की संभावित दावेदारी के कारण एक बार फिर शहर की राजनीति के केंद्र में हैं,लेकिन राजनीति में दावेदारी और टिकट के बीच का रास्ता पार्टी के निर्णय से होकर गुजरता है,इसलिए फिलहाल आशीष यादव को कांग्रेस के अध्यक्ष पद के संभावित दावेदार के रूप में देखा जा रहा है, अंतिम उम्मीदवार के रूप में नहीं,बैकुंठपुर की नगर पालिका राजनीति में अब अगली तस्वीर कांग्रेस के टिकट के फैसले के बाद ही साफ होगी...और तब यह भी सामने आएगा कि वार्ड स्तर से शुरू हुआ आशीष यादव 'लल्ला' का राजनीतिक सफर नगर पालिका अध्यक्ष की दौड़ तक पहुंचता है या नहीं।

जिला जेल का प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश थॉमस एक्का ने किया निरीक्षण

बंदियों से सीधे संवाद कर जानी समस्याएं,भोजन,स्वच्छता,स्वास्थ्य सेवाओं और विधिक सहायता की व्यवस्था का लिया जायजा...

-संवाददाता-

सूरजपुर,22 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर थॉमस एक्का ने जिला जेल सूरजपुर का निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने जेल में बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं,स्वास्थ्य सेवाओं,भोजन,स्वच्छता तथा विधिक सहायता की व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी भी ली गई।

जेल की व्यवस्थाओं की ली जानकारी–निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश थॉमस एक्का ने जेल अधीक्षक से बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी ली,उन्होंने खाद्य सामग्री,भोजन, स्वच्छता सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की,उन्होंने जेल मैनुअल के अनुरूप बंदियों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, संयुक्त निरीक्षण दल ने जेल के भोजनालय का भी निरीक्षण किया।

इस दौरान बंदियों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता और भोजन

तैयार करने से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

चिकित्सा केंद्र का भी किया निरीक्षण–निरीक्षण दल ने जेल में संचालित चिकित्सा केंद्र का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली,बंदियों को प्रदान की जा रही चिकित्सा सेवाओं तथा स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं के बारे में संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की गई,इस दौरान जेल प्रशासन को बंदियों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए,ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

बैरकों में पहुंचकर बंदियों से किया संवाद–प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के नेतृत्व में निरीक्षण दल ने जेल की विभिन्न बैरकों में जाकर बंदियों से सीधे संवाद किया, इस दौरान उनके स्वास्थ्य, विधिक सहायता तथा अन्य समस्याओं के संबंध में जानकारी ली गई। बंदियों द्वारा बताई गई समस्याओं को सुनते हुए उन्हें उपलब्ध विधिक उपचार और सहायता के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई,बंदियों को उनके विधिक अधिकारों,जमानत,पैरोल तथा उपलब्ध विधिक सहायता की प्रक्रिया के संबंध में भी सामान्य जानकारी दी गई, पात्र बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था के बारे में भी उन्हें अवगत कराया गया।

पात्र बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता के निर्देश–निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों और विधिक सेवा से जुड़े प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि जेल में निरुद्ध प्रत्येक पात्र व्यक्ति को उसके विधिक अधिकारों तथा उपलब्ध कानूनी सहायता की जानकारी मिलनी चाहिए,आवश्यकता के अनुसार पात्र बंदियों को उचित कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, निरीक्षण के माध्यम से जेल प्रशासन को बंदियों की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ-साथ स्वास्थ्य और विधिक सहायता संबंधी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा गया।

अधिकारी और विधिक सेवा से जुड़े प्रतिनिधि रहे उपस्थित–निरीक्षण के दौरान जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल,सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर सुश्री पायल टोपनो,अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा,जिला जेल अधीक्षक विक्रम गुप्ता,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रशांत सिंह,चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल हृदयनारायण श्रीवास्तव,अन्य डिफेंस काउंसिल,अधिवक्ता मनोज सिंह सहित जेल स्टाफ एवं पी.एल.व्ही. उपस्थित रहे।

भटगांव विधानसभा के 7 धान उपार्जन केंद्र होंगे सुविधा-संपन्न

69.58 लाख रुपए से पक्के फड़ निर्माण एवं समतलीकरण कार्य को मिली स्वीकृति,किसानों को मिलेगी बेहतर उपार्जन सुविधा

-संवाददाता-

सूरजपुर,22 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

किसानों को धान उपार्जन के दौरान बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भटगांव विधानसभा क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल की गई है,भटगांव विधायक एवं कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र के सात धान उपार्जन केंद्रों में पक्के फड़ निर्माण एवं समतलीकरण कार्य के लिए कुल 69.58 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है, इस कार्य से उपार्जन केंद्रों की आधारभूत सुविधाएं मजबूत होंगी और किसानों को धान बेचने के दौरान अधिक व्यवस्थित व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी।

सात उपार्जन केंद्रों में होंगे कार्य–

स्वीकृत कार्यों में सूरजपुर विकासखंड के टमकी, सिरसी, करोटी बी, खोपो,बतरा,सांवारांवां एवं कुर्रीडीह स्थित धान उपार्जन केंद्र शामिल हैं,प्रत्येक उपार्जन केंद्र में 9.94 लाख रुपए की लागत से पक्के फड़ निर्माण एवं समतलीकरण का कार्य कराया जाएगा,सातों केंद्रों के लिए स्वीकृत राशि को मिलाकर कुल लागत 69.58 लाख रुपए है,धान उपार्जन के दौरान केंद्रों में बड़ी मात्रा में धान की आवक होती है ऐसे में फड़ की स्थिति और परिसर का समतलीकरण उपार्जन व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है,पक्के फड़ बनने और परिसर के समतलीकरण से धान की आवक, खरीदी तथा रख-रखाव से जुड़ी व्यावहारिक परेशानियों को कम करने में मदद मिलेगी।

किसानों को मिलेगी व्यवस्थित सुविधा–उपार्जन केंद्रों में आधारभूत अधोसंरचना मजबूत होने से किसानों को धान बेचने के दौरान बेहतर वातावरण

उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी, पक्के फड़ और समतल परिसर से धान रखने तथा खरीदी प्रक्रिया को व्यवस्थित करने में भी सुविधा होगी,इससे उपार्जन केंद्रों की कार्यप्रणाली को अधिक सुचारू बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है,किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए भटगांव विधानसभा क्षेत्र में अधोसंरचना विकास को गति देने के क्रम में यह स्वीकृति महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है,मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से स्वीकृत इन कार्यों के पूरा होने के बाद सातों धान उपार्जन केंद्रों में सुविधाओं का विस्तार होगा,धान खरीदी के दौरान किसानों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने और उपार्जन व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पक्के फड़ निर्माण एवं समतलीकरण कार्य को स्वीकृति दी गई है,इससे संबंधित केंद्रों पर धान खरीदी की व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी और किसानों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है।

CMYK

संघर्ष के पहियों पर सवार होकर संजय ने रचा सफलता का इतिहास...

छोटे किसान के बेटे संजय ने राष्ट्रीय परीक्षा में हासिल की 158वीं रैंक

समोसा बेचकर पढ़ाई,रोज 50 किलोमीटर साइकिल से सफर... अब राष्ट्रीय परीक्षा में 158 वीं रैंक...

छोटे किसान के बेटे संजय की संघर्षगाथा,एक पैर से दिव्यांग होने के बावजूद नहीं छोड़ी पढ़ाई...

एक पैर से दिव्यांग होने के बावजूद पांच साल तक रोज 50 किलोमीटर साइकिल चलाकर की पढ़ाई,खेत में काम करने के साथ बाजार में बेचा समोसा...

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,22 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

शासकीय आर.आर.एम.स्नातकोत्तर महाविद्यालय,सूरजपुर के रसायन शास्त्र विभाग के पूर्व विद्यार्थी संजय कुमार ने अपनी मेहनत, संघर्ष और आत्मविश्वास के दम पर वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-विश्व विद्यालय अनुदान आयोग की कनिष्ठ अनुसंधान वृत्ति परीक्षा में 158 वीं रैंक हासिल की है,छोटे से गांव और किसान परिवार से आने वाले संजय कुमार की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है,क्योंकि उन्होंने सीमित आर्थिक संसाधनों,शारीरिक कठिनाइयों और लंबे दैनिक सफर के बीच अपनी पढ़ाई जारी रखी और आज उच्च शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। संजय कुमार वर्तमान में गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय,बिलासपुर में पीएच.डी. शोध कर रहे हैं,वे अपने शोध की निवास अवधि पूरी कर चुके हैं और इसके साथ ही शासकीय महाविद्यालय सिलफिली,सूरजपुर में रसायन शास्त्र के अतिथि व्याख्याता के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं,उनकी इस उपलब्धि से शासकीय आर.आर.एम. स्नातकोत्तर महा विद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग में खुशी का माहौल है,महाविद्यालय के प्राचार्य सहित समस्त प्राध्यापकों ने संजय कुमार को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल शोध यात्रा की शुभकामनाएं दी हैं।

छोटे किसान परिवार से निकले संजय-संजय कुमार ग्राम करकोली नया के रहने वाले हैं, वे छोटे किसान बच्चू लाल सोनी के पुत्र हैं,किसान परिवार में जन्मे संजय के लिए उच्च शिक्षा हासिल करने का रास्ता आसान नहीं था,दसवीं,बारहवीं,स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई के दौरान उन्हें लगातार आर्थिक और शारीरिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा,परिवार की आर्थिक स्थिति सीमित होने के कारण पढ़ाई के साथ उन्हें परिवार की जिम्मेदारियों में भी हाथ बंटाना पड़ता था, लेकिन इन परिस्थितियों ने उनके भीतर पढ़ाई के प्रति लगन को कम नहीं किया,संजय ने कठिन परिस्थितियों को अपनी कमजोरी बनाने के बजाय उन्हें अपनी ताकत बनाया और शिक्षा की राह पर लगातार आगे बढ़ते रहे।

कोचिंग का सहारा नहीं लिया, स्वयं अध्ययन को बनाया आधार-संजय कुमार की सफलता की एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए किसी कोचिंग संस्थान का सहारा नहीं लिया, उन्होंने स्वयं अध्ययन को अपनी तैयारी का आधार बनाया। जरूरत पड़ने पर उन्होंने यूट्यूब के माध्यम से भी अध्ययन सामग्री का लाभ लिया, सीमित संसाधनों में अपनी तैयारी को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने रसायन शास्त्र से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं में सफलता हासिल की, संजय कुमार ने वीआरईटी, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय,छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा,स्नातकोत्तर अभियांत्रिकी अभिरुचि परीक्षा,वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा एवं कनिष्ठ अनुसंधान वृत्ति तथा छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा के द्वितीय प्रश्नपत्र को उत्तीर्ण किया है,इन सफलताओं के बाद अब वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कनिष्ठ अनुसंधान वृत्ति परीक्षा में 158 वीं रैंक हासिल करना उनकी शैक्षणिक यात्रा की महत्वपूर्ण उपलब्धि बन गया है।

रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. विकेश कुमार झा के मार्गदर्शन को दिया श्रेय-संजय कुमार ने अपनी सफलता का श्रेय शासकीय आर.आर.एम.स्नातकोत्तर महा विद्यालय के रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. विकेश कुमार झा के निरंतर मार्गदर्शन, सहयोग और समय-समय पर मिले प्रोत्साहन को दिया है,संजय के अनुसार डॉ. विकेश कुमार झा के मार्गदर्शन ने उनकी शैक्षणिक यात्रा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई,उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष का मार्गदर्शन उन्हें लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहा,पढ़ाई के दौरान मिली सलाह और प्रोत्साहन से उन्हें अपने लक्ष्य को लेकर आत्मविश्वास मिला,संजय ने कहा कि इसी मार्गदर्शन के कारण वे रसायन शास्त्र से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में सफल हो सके।

संघर्ष के बीच लगातार आगे बढ़ते रहे-संजय कुमार की उपलब्धि को केवल परीक्षा में हासिल की गई रैंक के रूप में देखना उनकी पूरी यात्रा को अधूरा समझना होगा, एक छोटे किसान के घर से निकलकर उच्च शिक्षा तक पहुंचना,आर्थिक कठिनाइयों के बीच पढ़ाई जारी रखना, एक पैर से दिव्यांग होने के बावजूद रोजाना 50 किलोमीटर साइकिल चलाना, परिवार के साथ खेत में काम करना और जरूरत पड़ने पर बाजार में समोसा बेचना–इन सबके बीच उन्होंने अपने अध्ययन को लगातार जारी रखा, कई बार परिस्थितियां उन्हें पढ़ाई से दूर कर सकती थीं,लेकिन उन्होंने हर बार वापस अपनी किताबों की ओर लौटने का रास्ता चुना, उनकी सफलता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि उन्होंने आर्थिक और शारीरिक कठिनाइयों को अपनी शिक्षा के सामने निर्णायक बाधा नहीं बनने दिया।

देर से सही,लेकिन मंजिल की ओर बढ़ते रहे-संजय कुमार की यात्रा यह भी दिखाती है कि सफलता हमेशा एक ही गति से नहीं आती, कई बार परिस्थितियों के कारण विद्यार्थी को आगे बढ़ने में अधिक समय लगता है, संजय भी अपनी पढ़ाई के दौरान अनेक कठिनाइयों से गुजरे। लेकिन उन्होंने अपनी गति को अपनी मंजिल के बीच नहीं आने दिया, धीरे-धीरे उन्होंने स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की,प्रतियोगी परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं, शोध के क्षेत्र में कदम रखा और अब कनिष्ठ अनुसंधान वृत्ति परीक्षा में 158वीं रैंक हासिल कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की है, आज वे पीएच.डी. शोध के साथ अध्यापन भी कर रहे हैं और रसायन शास्त्र के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं।

रसायन शास्त्र विभाग के कई पूर्व विद्यार्थियों ने भी हासिल की सफलता-

शासकीय आर.आर.एम. स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग के लिए संजय कुमार की सफलता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विभाग के अनेक पूर्व विद्यार्थी विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर चुके हैं,विभाग के अनुसार अनेक पूर्व विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा,स्नातकोत्तर अभियांत्रिकी अभिरुचि परीक्षा और राज्य पात्रता परीक्षा जैसी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है,विभागाध्यक्ष डॉ. विकेश कुमार झा के मार्गदर्शन एवं सहयोग से विद्यार्थियों में उच्च शिक्षा, शोध और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति रुचि बढ़ने की बात कही गई है,संजय कुमार की सफलता इसी शैक्षणिक वातावरण की एक और उपलब्धि के रूप में देखी जा रही है।

महाविद्यालय में खुशी का माहौल-संजय कुमार के वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कनिष्ठ अनुसंधान वृत्ति परीक्षा में 158वीं रैंक हासिल करने पर महाविद्यालय में खुशी का माहौल है, महाविद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त प्राध्यापकों ने संजय कुमार को उनकी शानदार सफलता पर बधाई दी। उनके उज्ज्वल भविष्य और शोध यात्रा की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दी गईं,रसायन शास्त्र विभाग ने संजय कुमार की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उनके आगे भी इसी तरह सफलता हासिल करने की कामना की है।

संघर्ष से निकली सफलता की कहानी-संजय कुमार की कहानी उस विद्यार्थी की कहानी है जिसने परिस्थितियों को अपने सपनों से बड़ा नहीं होने दिया,छोटे किसान का बेटा,गांव का विद्यार्थी,एक पैर से दिव्यांग,रोज 50 किलोमीटर साइकिल का सफर,चार घंटे आने-जाने में खर्च,खेत में परिवार का हाथ,बाजार में समोसा बेचकर पढ़ाई का खर्च और बिना किसी कोचिंग के स्वयं अध्ययन...इन तमाम परिस्थितियों के बीच आज वही संजय कुमार राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षा में 158वीं रैंक हासिल कर चुके हैं,उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है,बल्कि उन विद्यार्थियों के लिए भी उम्मीद की कहानी है जो सीमित संसाधनों के कारण अपने सपनों को छोटा समझने लगते हैं,संजय कुमार ने यह साबित किया है कि मंजिल तक पहुंचने के लिए रास्ता हमेशा आसान होना जरूरी नहीं है,जरूरी यह है कि कठिन रास्ते पर भी कदम रुकें नहीं, आज खेत और बाजार से पढ़ाई तक का उनका संघर्ष शोध और अध्यापन की नई मंजिल तक पहुंच चुका है,कनिष्ठ अनुसंधान वृत्ति में 158वीं रैंक उनकी इसी लंबी मेहनत का परिणाम है और उनकी आगे की शोध यात्रा की एक नई शुरुआत भी।

पांच साल तक रोज 50 किलोमीटर साइकिल से सफर

संजय कुमार के संघर्ष की सबसे बड़ी तस्वीर उनके विद्यार्थी जीवन के उस दौर में दिखाई देती है,जब वे रोजाना करीब 50 किलोमीटर साइकिल चलाकर कॉलेज पहुंचते और वापस घर लौटते थे,लगभग पांच वर्षों तक उन्होंने यह दिनचर्या जारी रखी,घर से महाविद्यालय आने-जाने में उन्हें करीब चार घंटे का समय लग जाता था,एक पैर से दिव्यांग होने के बावजूद उन्होंने साइकिल से यह लंबा सफर तय किया,रोजाना घंटों का सफर,कॉलेज की पढ़ाई और उसके बाद परिवार की जिम्मेदारियां–इन सबके बीच उन्होंने कभी अपनी पढ़ाई को बीच में नहीं छोड़ा,उनके लिए महाविद्यालय तक पहुंचना ही एक चुनौती थी,लेकिन उन्होंने इस चुनौती को अपनी शिक्षा के रास्ते की दीवार नहीं बनने दिया।

खेत में परिवार का हाथ बंटाया,बाजार में समोसा भी बेचा

संजय कुमार की संघर्ष की कहानी केवल साइकिल से 50 किलोमीटर रोजाना सफर करने तक सीमित नहीं है, पढ़ाई के खर्च को पूरा करने और परिवार की आर्थिक मदद के लिए उन्होंने अपने परिवार के साथ कृषि कार्य में भी हाथ बंटाया,इसके अलावा वे अपने पिता के साथ बाजार में समोसा बेचने का काम भी करते थे,कई बार ऐसा होता था कि संजय कॉलेज की आधी छुट्टी लेकर बाजार चले जाते थे,वहां वे अपने पिता के साथ समोसे की दुकान लगाने में सहयोग करते थे। इसके बाद वापस पढ़ाई और अन्य जिम्मेदारियों में जुट जाते थे,एक तरफ पढ़ाई,दूसरी तरफ परिवार के साथ कृषि कार्य और तीसरी तरफ बाजार में समोसा बेचकर परिवार की मदद–इन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने शिक्षा का रास्ता नहीं छोड़ा,उनका मानना रहा कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों,पढ़ाई को जारी रखना जरूरी है।

विश्वविद्यालय में शोध के दौरान भी मिला सहयोग

संजय कुमार वर्तमान में गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय,बिलासपुर में पीएच.डी. शोध कर रहे हैं,शोध के दौरान उन्हें अपने शोध निर्देशक डॉ. नीरज सिंह, प्रोफेसर जी.के. पात्रा, विभागाध्यक्ष प्रोफेसर के.सी. देवांगन तथा विभाग के सभी प्राध्यापकों का निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त हो रहा है,उन्होंने शोध प्रयोगशाला में साथ काम करने वाले अपने सभी साथियों के सहयोग के लिए भी आभार व्यक्त किया। विशेष रूप से उन्होंने देवानंद साहू के सहयोग का उल्लेख किया,संजय का कहना है कि शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के दौरान मिलने वाला मार्गदर्शन और सहयोग उनके लिए महत्वपूर्ण रहा है।

अध्यापन के साथ शोध का सफर

संजय कुमार की वर्तमान यात्रा केवल शोध तक सीमित नहीं है,वे शासकीय महाविद्यालय सिलफिली,सूरजपुर में रसायन शास्त्र के अतिथि व्याख्याता के रूप में विद्यार्थियों को पढ़ा भी रहे हैं,एक ओर वे उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पीएच.डी. शोध कर रहे हैं,तो दूसरी ओर महाविद्यालय में अध्यापन के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ अपने ज्ञान और अनुभव को साझा कर रहे हैं,इस प्रकार विद्यार्थी के रूप में शुरू हुआ उनका सफर अब शोधकर्ता और शिक्षक की भूमिका तक पहुंच चुका है।

आरटीआई के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण

जन सूचना अधिकारियों के कार्य-दायित्व,समय-सीमा और अपील प्रक्रिया की दी गई जानकारी

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,22 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रभावी क्रियान्वयन और अधिकारियों को अधिनियम के प्रावधानों की बेहतर समझ विकसित कराने के उद्देश्य से विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया,कलेक्टर कोरिया के दिशा-निर्देशन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बैकुंठपुर में आयोजित प्रशिक्षण में सूचना के अधिकार अधिनियम से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य स्तरीय प्रशिक्षक सुशील तिवारी, शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय,मनेन्द्रगढ़ तथा जिला मास्टर ट्रेनर्स मारुति शर्मा, जिला परियोजना अधिकारी,साक्षरता कोरिया, धर्मेंद्र सिंह, व्याख्याता एवं कार्तिकेय शर्मा ने विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को ऑनबोर्डिंग एवं प्रशिक्षण से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए, इस दौरान राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी दी गई, प्रशिक्षण में जन सूचना अधिकारी के कार्य एवं दायित्व, प्रथम अपीलीय अधिकारी की भूमिका, आरटीआई आवेदन के निराकरण की निर्धारित समय-सीमा तथा प्रथम अपील सहित अपील की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया, प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों एवं मास्टर ट्रेनर्स को आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना तथा अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार,प्रभावी और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक क्षमता विकसित करना रहा,कार्यक्रम में विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स के रूप में सोनहत विकासखंड से वीरेंद्र कुमार मिश्रा एवं श्री रविकांत मिश्रा तथा बैकुंठपुर विकासखंड से महेश शिवहरे एवं चेतनारायण कश्यप उपस्थित रहे, प्रशिक्षण के माध्यम से विकास खंड स्तर पर आरटीआई अधिनियम के संबंध में अधिकारियों को प्रशिक्षित करने और अधिनियम के प्रावधानों के बेहतर अनुपालन की दिशा में आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियों को लेकर सख्त निर्देश

सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों में शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने के निर्देश : डॉ. प्रशांत सिंह

-संवाददाता-

सूरजपुर,22 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार जिले के नवपदस्थ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने जिले के सभी खंड चिकित्सा अधिकारियों,खंड कार्यक्रम प्रबंधकों एवं ब्लॉक डेटा मैनेजर की बैठक लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा की,उन्होंने सभी कार्यक्रमों में शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं का सुचारु संचालन करने के सख्त निर्देश दिए।

बैठक में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए। डॉ. प्रशांत सिंह ने सभी विकासखंडों में विशेष मेगा हेल्थ कैंप आयोजित कर'स्वस्थ नारी,सशक्त परिवार' अभियान के अंतर्गत महिलाओं,बच्चों एवं बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण,आवश्यक जांच एवं उपचार सुनिश्चित करने को कहा, उन्होंने पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड एवं वयो वंदना कार्ड बनाने तथा आयुष्मान कार्ड को आधार से लिंक करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को दवाइयों की उपलब्धता एवं वितरण सुनिश्चित करने को कहा।

टीबी मुक्त भारत अभियान पर विशेष जोर-

डॉ. प्रशांत सिंह ने टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के लाभार्थियों तथा क्षेत्र के पात्र व्यक्तियों की पंजीयन एवं स्क्रीनिंग कराने के निर्देश दिए, उन्होंने उपलब्ध हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से मौके पर ही एक्स-रे जांच की सुविधा उपलब्ध कराने और संभावित टीबी मरीजों की पहचान कर समय पर उपचार शुरू कराने पर विशेष जोर दिया, उन्होंने निर्देशित किया कि 2 अक्टूबर को जिले में टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के सरपंचों तथा टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, मितानिनों एवं जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया जाए।

आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित होंगी विशेष गतिविधियां

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'आंगन का उत्सव' गतिविधियों के अंतर्गत ग्रामीणों को आंगनबाड़ी केंद्रों तक लाकर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सेवाओं से जोड़ने के निर्देश दिए गए, इस दौरान महिलाओं, बच्चों एवं गर्भवती माताओं की स्वास्थ्य जांच,आवश्यक परामर्श एवं उपचार सुनिश्चित करने को कहा गया,साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मितानिनों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सम्मानित करने के निर्देश दिए गए,सेवा संकल्प अभियान के तहत सभी विकासखंडों में मेगा ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लाभों के बारे में जागरूक करने तथा शिविरों का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करने और देहदान कराने हेतु आवश्यक पहल करने को कहा गया,डॉ. प्रशांत सिंह ने सभी खंड चिकित्सा अधिकारियों,खंड कार्यक्रम प्रबंधकों एवं संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में संचालित सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का नियमित एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक पात्र हितग्राही तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं एवं अभियानों का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन ही इन अभियानों की वास्तविक सफलता है।

एक लड़की,दो दीवाने और दोस्ती में दरार ! वीर पहाड़िया और अपारशक्ति खुराना की 'प्रेम कीटाणु' के ट्रेलर में दिखा प्यार का मजेदार खेल

प्रेम कीटाणु' के ट्रेलर में वीर पहाड़िया और अपारशक्ति खुराना एक ही लड़की के प्यार में पड़ते नजर आते हैं। कॉलेज की दोस्ती,रोमांस,जलन और कॉमेडी से सजी फिल्म 2 अक्टूबर को रिलीज होगी। वीर पहाड़िया और अपारशक्ति खुराना स्टारर बॉलीवुड फिल्म 'प्रेम कीटाणु' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में कॉलेज लाइफ, दोस्ती, प्यार और दो दोस्तों के बीच एक लड़की को लेकर पैदा होने वाली खींचतान को कहानी का आधार बनाया गया है। फिल्म का माहौल हल्का-फुल्का है और इसमें रोमांस के साथ कॉमेडी का तड़का भी देखने को मिलता है। ट्रेलर से संकेत मिलता है कि कहानी युवाओं की उस दुनिया पर केंद्रित है, जहां दोस्ती और प्यार के बीच रिश्ते तेजी से बदलने लगते हैं।

एक लड़की और दो लड़कों की कहानी

ट्रेलर में वीर पहाड़िया ऐसे युवक की भूमिका में नजर आते हैं,जो प्यार में पड़ने के बाद भावनाओं को संभालने की कोशिश करता दिखाई देता है। दूसरी ओर अपारशक्ति खुराना का किरदार आत्मविश्वासी और स्टाइलिश अंदाज में नजर आता है। कहानी तब नया मोड़ लेती है, जब दोनों की नजर एक ही लड़की पर होती है। आफिया सैयद इस कहानी की अहम कड़ी हैं और उनके किरदार के इर्द-गिर्द दोनों पुरुष किरदारों के बीच की दोस्ती और टकराव आगे बढ़ता है। ट्रेलर में दोनों के बीच सीधे मुकाबले के बजाय दोस्ती, जलन और मजेदार परिस्थितियों के जरिए कहानी को आगे बढ़ाने की कोशिश दिखाई देती है। प्यार में पड़ने के बाद पैदा होने वाली गलतफहमियां और भावनात्मक उलझनें भी कहानी का हिस्सा हैं।

कॉलेज लाइफ और दोस्ती पर फोकस

फिल्म का बैकड्रॉप कॉलेज का है, इसलिए ट्रेलर में कैंपस, दोस्तों के साथ मस्ती और युवाओं के बीच होने वाली नोकझोंक को प्रमुखता दी गई है। कहानी में रोमांस के साथ दोस्ती को भी महत्वपूर्ण जगह दी गई है। ट्रेलर देखकर ऐसा लगता है कि फिल्म पहले प्यार के उस दौर को दिखाने की कोशिश करती है,जब छोटी-सी बात भी बड़ी लगती है और दोस्तों के बीच होने वाली बहस जल्दी ही मजाक में बदल जाती है। राकेश बेदी और निखिल विजय भी फिल्म का हिस्सा हैं। दोनों कलाकारों के किरदार कहानी में कॉमिक परिस्थितियां पैदा करते नजर आते हैं। ट्रेलर में इनकी मौजूदगी मुख्य कहानी के बीच हल्के-फुल्के पलों को जोड़ती है।

संगीत में दिखेगा पुराना बॉलीवुड रंग

'प्रेम कीटाणु' के ट्रेलर में कहानी के साथ संगीत को भी अहम जगह दी गई है। रोमांटिक और भावुक पलों के बीच गाने सुनाई देते हैं। फिल्म का संगीत पुराने दौर की हिंदी रोमांटिक फिल्मों की याद दिलाने की कोशिश करता है। इसके अलावा ट्रेलर की रंगीन विजुअल स्टाइल और कॉलेज के माहौल को भी कहानी के युवा टोन के साथ जोड़ा गया है। फिल्म की कहानी में प्यार के साथ दिल टूटने का पहलू भी शामिल है। यानी शुरुआत में दिखाई देने वाली दोस्ती और मस्ती आगे चलकर रिश्तों के बदलने और भावनात्मक टकराव में बदलती है।

अपूर्व सिंह कार्की ने किया निर्देशन

'प्रेम कीटाणु' का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है। फिल्म को गौरव वर्मा ने अवानिका फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। ट्रेलर के आधार पर फिल्म का फोकस गंभीर प्रेम कहानी के बजाय युवाओं के बीच रिश्तों, दोस्ती और रोमांस को मनोरंजन के अंदाज में पेश करने पर है। फिल्म में वीर पहाड़िया और अपारशक्ति खुराना की जोड़ी के बीच की केमिस्ट्री कहानी का अहम हिस्सा नजर आती है। दोनों के किरदार एक ही लड़की के प्यार में पड़ने के बाद किस तरह अपनी दोस्ती और रिश्ते को संभालते हैं, यह फिल्म की कहानी में आगे देखने को मिलेगा।

2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आएगी फिल्म

'प्रेम कीटाणु' 2 अक्टूबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का मुकाबला उस दौरान रिलीज होने वाली अन्य फिल्मों से होगा। फिलहाल ट्रेलर ने फिल्म की कहानी को कॉलेज रोमांस, दोस्ती और कॉमेडी के इर्द-गिर्द रखा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि बड़े पर्दे पर यह फॉर्मूला दर्शकों के साथ कितना जुड़ पाता है।

यामी गौतम धर की बरसों की मेहनत आर्टिकल 370 में रंग लाई...

एक्ट्रेस यामी गौतम धर,जिन्हें 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान मिलने वाला है, ने कहा है कि एक आर्टिस्ट के तौर पर सालों के अनुभव के बावजूद, उनके पहले नेशनल अवॉर्ड ने उनके अंदर के नए कलाकार को जगा दिया है। एक्ट्रेस ने मंगलवार को नेशनल अवॉर्ड सेरेमनी में अपने पति आदित्य धर के साथ रेड कार्पेट पर वॉक किया। उन्होंने प्रसार भारती से कहा,यह देश के किसी भी

आर्टिस्ट के लिए सबसे बड़ी मान्यता है। यह सबसे बड़ा सम्मान है। मुझे नहीं लगता कि मैं अभी अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां कर पाऊंगी। मैं अभी भी इस पल को महसूस करने और मुस्कुराने की कोशिश कर रही हूं,लेकिन अंदर से मैं एक बिल्कुल नए कलाकार जैसी ऊर्जा महसूस कर रही हूं, जिसके लिए सब कुछ इतना बड़ा, नया और खास है। आर्टिकल 370 ने मुझे एक आर्टिस्ट और एक एक्टर के तौर पर बहुत कुछ दिया है। एक्ट्रेस को आर्टिकल 370 में उनके काम के लिए सम्मानित किया जा रहा है। यह फिल्म भारत के संविधान के आर्टिकल 370 को हटाने की योजना और उसके बाद की घटनाओं की कहानी दिखाती है। उन्होंने आगे कहा, इसने मुझे वह सब कुछ दिया जो मैं लंबे समय से करना चाहती थी। सालों की कड़ी मेहनत अक्सर एक पल में सिमट जाती है और मेरे लिए वह पल आर्टिकल 370 था। 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स, जो 2024 के भारतीय सिनेमा को सम्मानित करेंगे, 22 सितंबर 2026 को केवड़िया,गुजरात में दिए जा रहे हैं। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ये अवॉर्ड देंगी। आर्टिकल 370 को बेस्ट फीचर फिल्म का विजेता घोषित किया गया है,जबकि यामी गौतम को इस फिल्म के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया है। मलयालम सिनेमा के दिग्गज ममूटी को ब्रह्मयुगम में उनके काम के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला है। वह यह अवॉर्ड बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन के साथ शेयर करेंगे, जिन्हें स्पोर्ट्स बायोपिक चंदू चैंपियन में उनके काम के लिए सम्मानित किया गया है। राजकुमार पेरियासामी ने अमरन के लिए बेस्ट डायरेक्शन का अवॉर्ड जीता, जबकि रणदीप हुड्डा को स्वातंत्र्य वीर सावरकर के लिए बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला। कल्कि 2898 एडी ने बेस्ट पॉपुलर फिल्म प्रोवाइडिंग होलसम एंटरटेनमेंट (भरपूर मनोरंजन देने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म) का अवॉर्ड जीता।

लव गिल संग आसिफ की नजदीकी पर पत्नी ज़ेबा का बड़ा बयान

रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में 'पंचायत' फेम अभिनेता आसिफ खान और को-कंटेस्टेंट लव गिल के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उनकी शादी को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। वायरल क्लिप्स में दोनों को गले मिलते और एक-दूसरे के करीब देखा गया। अब आसिफ की पत्नी ज़ेबा ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए पति का बचाव किया है और लोगों से कुछ सेकंड के वीडियो देखकर उनके रिश्ते पर फैसला नहीं सुनाने की अपील की है।

बिग बॉस 20' के घर से सामने आई अलग-अलग क्लिप्स में आसिफ और लव गिल के बीच नजदीकी दिखाई दी। एक वीडियो में लव उन्हें गले लगाती नजर आईं, जबकि अन्य क्लिप्स में दोनों साथ बैठे दिखाई दिए। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने आसिफ की शादी और लव के साथ उनकी बॉन्डिंग को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए। ऑनलाइन चर्चा बढ़ने के बाद ज़ेबा ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि शो की कुछ छोटी क्लिप्स के आधार पर आसिफ के इरादों या उनकी शादी के बारे में निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। ज़ेबा ने अपने बयान में कहा कि आसिफ अक्सर शो की 24×7 लाइव फीड में उनके और अपने वैवाहिक जीवन के बारे में बात करते दिखाई देते हैं। उनका कहना है कि कुछ सेकंड की वायरल क्लिप किसी व्यक्ति या रिश्ते की पूरी तस्वीर पेश नहीं कर सकती। ज़ेबा ने स्पष्ट किया कि उनका और आसिफ का रिश्ता सुरक्षित है और दोनों के बीच मजबूत समझ है। उन्होंने कहा कि इस मामले में उन्हें कुछ भी समझाने या सही ठहराने की जरूरत महसूस नहीं होती।

रैंचो और दोस्तों की होगी वापसी

आमिर खान,आर माधवन और शरमन जोशी की सुपरहिट फिल्म '3 इडियट्स' के सीक्वल का लंबे समय से इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए बड़ा अपडेट सामने आया है। राजकुमार हिरानी की इस चर्चित फिल्म के दूसरे भाग पर काम चल रहा है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स फिल्म की कहानी और स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो इसकी शूटिंग अप्रैल 2027 के आसपास शुरू हो सकती है। हालांकि शूटिंग शुरू होने की तारीख को अभी आधिकारिक रूप से फाइनल नहीं माना जा सकता। राजकुमार हिरानी ने हाल में साफ किया था कि सीक्वल की कहानी अभी लिखी जा रही है और प्रोजेक्ट तभी आगे बढ़ेगा, जब पूरी टीम स्क्रिप्ट से संतुष्ट होगी। ऐसे में अप्रैल 2027 को फिलहाल संभावित शूटिंग शेड्यूल के रूप में देखा जा रहा है।

पहले 'लालकारा' की शूटिंग करेंगे आमिर खान

रिपोर्ट्स के मुताबिक आमिर खान अक्टूबर 2026 से आशुतोष गोवारिकर की आगामी फिल्म 'लालकारा' पर काम शुरू करने वाले हैं। इस प्रोजेक्ट का शूटिंग शेड्यूल मार्च 2027 तक चलने की संभावना है। इसके बाद आमिर राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' सीक्वल की ओर बढ़ सकते हैं।इसी वजह से सीक्वल की शूटिंग अप्रैल 2027 से शुरू होने की चर्चा है। इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स में फिल्म के 2026 में फ्लोर पर जाने की बात सामने आई थी, लेकिन आमिर के दूसरे प्रोजेक्ट और स्क्रिप्ट पर जारी काम के कारण अब इसे आगे बढ़ाए जाने की खबर है।

20 साल बाद दिखेगी तीन दोस्तों की जिंदगी

'3 इडियट्स' के सीक्वल की कहानी को लेकर भी दिलचस्प जानकारी सामने आई है। राजकुमार हिरानी के मुताबिक नई कहानी पहली फिल्म के किरदारों को करीब 20 साल बाद दिखाने की दिशा में लिखी जा रही है। यानी इस बार रैंचो, फरहान और राजू कॉलेज के छात्र नहीं होंगे।तीनों किरदार अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके होंगे। उनकी शादी हो चुकी होगी, बच्चे होंगे और वे अपने-अपने पेशे में स्थापित नजर आ सकते हैं। कहानी में उनकी जिंदगी के नए संघर्षों और मिड-लाइफ से जुड़ी परिस्थितियों को हास्य के साथ दिखाने की योजना है। हिरानी के मुताबिक सीक्वल में पहली फिल्म की तरह एक बड़ा संदेश देने की कोशिश भी होगी।

अदनान सामी के घर में छिपा करोड़ों का खजाना !

बीथोवन की पांडुलिपि से 'आलम आरा' के रिकॉर्ड तक, एक-एक चीज ताकती रह गईं फराह खान अदनान सामी के मुंबई स्थित घर में दुर्लभ रिकॉर्ड, ऐतिहासिक पांडुलिपियां और अनोखी कलाकृतियां मौजूद हैं। फराह खान के होम टूर में बीथोवन की मूल पांडुलिपि, 'आलम आरा' रिकॉर्ड और खास म्यूजिक कलेक्शन दिखा। मुंबई में सितारों के घर अक्सर अपनी भव्यता और लग्जरी के लिए चर्चा में रहते हैं, लेकिन गायक और संगीतकार अदनान सामी का घर अपनी सजावट से कहीं ज्यादा वहां मौजूद अनमोल कलेक्शन के लिए खास है। हाल ही में फिल्ममेकर फराह खान ने अदनान के लोखंडवाला स्थित पेंटहाउस का होम टूर किया। इस दौरान घर का ऐसा हिस्सा सामने आया, जिसे देखकर फराह कई बार अपनी हैरानी छिपा नहीं पाईं। घर में भारतीय सिनेमा के पुराने रिकॉर्ड से लेकर अंतरराष्ट्रीय संगीत की यादें और ऐतिहासिक पांडुलिपियां तक मौजूद हैं। बता दें, इससे पहले फराह खान ने सिंगर राहुल वैद्य के घर की झलक साझा की थी।

खेल-समाचार

आईसीसी रैंकिंग में शैफाली वर्मा ने मचाई धूम एशियन गेम्स में शतक जड़ने का मिला इनाम

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2026। एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन के बाद शैफाली वर्मा को आईसीसी महिला टी 20 आई बल्लेबाजी रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। वह दो पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। एशियन गेम्स में बल्ले से शानदार प्रदर्शन का इनाम भारतीय बल्लेबाज शैफाली वर्मा को आईसीसी महिला टी20 आई रैंकिंग में मिला है। बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में शतक जड़ने वाली शैफाली ने ताजा रैंकिंग में दो पायदान की छलांग लगाकर बल्लेबाजों की टॉप-10 रैंकिंग में चौथा स्थान हासिल कर लिया है। बता दें, एशियन गेम्स 2026 में भारत ने श्रीलंका को हराकर गोल्ड मेडल जीता।

शैफाली को मिला शानदार प्रदर्शन का इनाम

शैफाली ने एशियन गेम्स में बांग्लादेश के खिलाफ निसिन में खेले गए सेमीफाइनल में नाबाद 100 रन की पारी खेली थी। यह उनके टी 20 आई करियर का पहला शतक था। इससे पहले उन्होंने जापान के खिलाफ

भारत की जीत में नाबाद 40 रन बनाए थे। इन पारियों की बदौलत शैफाली अब आईसीसी महिला टी20 आई बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे नंबर पर पहुंच गई हैं। हालांकि, भारत की स्मृति मंधाना और हेली मैथ्यूज को एक-एक पायदान का नुकसान हुआ है। हेली 5वें स्थान पर खिसक गई हैं। वहीं,मंधाना छठे स्थान पर खिसक गई हैं। टॉप-10 टी 20 आई बल्लेबाजों में भारत की 3 खिलाड़ी शामिल हैं। कप्तान हरमनप्रीत कौर की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वह 10वें स्थान पर बरकरार हैं।

श्री चरणी की बादशाहत बरकरार

टी20 आई महिला गेंदबाजों की आईसीसी रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा बरकरार है। ताजा आईसीसी महिला टी20 आई बॉलिंग रैंकिंग में श्री चरणी 799 रेटिंग के साथ नंबर-1 पर बनी हुई हैं। वहीं दीप्ति शर्मा 70 रेटिंग पॉइंट पीछे दूसरे स्थान पर हैं। टॉप-10 गेंदबाजों में भारत की यही 2 गेंदबाज शामिल हैं। तीसरे से छठे पायदान तक इंग्लैंड के गेंदबाजों का जलवा बरकरार है। सोफी एक्लेस्टोन तीसरे, चार्ली डीन चौथे, लॉरेन बेल 5वें जबकि लिंडसे स्मिथ छठे स्थान पर बनी हुई हैं। नॉनकुलुलेको मलाबा को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह 7वें स्थान पर खिसक गई हैं। भारत की क्रांति गौड़ और नंदनी शर्मा को भी एशियन गेम्स के प्रदर्शन का फायदा मिला है। क्रांति 15 पायदान ऊपर चढ़कर 57वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि नंदनी ने 22 स्थान की छलांग लगाकर 72वां स्थान हासिल किया है। दोनों खिलाड़ियों ने इस दौरान अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग भी हासिल की। क्रांति के 461 और नंदनी के 432 रेटिंग पॉइंट हैं।

41 साल की उम्र में साउथ अफ्रीकी क्रिकेटर ने लिया संन्यास

गुयाना,22 सितम्बर 2026। साउथ अफ्रीका के कोलिन इंग्राम ने 41 साल की उम्र में प्रोफेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इंग्राम ने 2010 से 2013 के बीच साउथ अफ्रीका के लिए 31 ओडीआई और 9 टी 20 इंटरनेशनल मैच खेले। साउथ अफ्रीका के लिए करीब एक दशक पहले आखिरी इंटरनेशनल मैच खेलने वाले बल्लेबाज कोलिन इंग्राम ने 41 साल की उम्र में प्रोफेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। करीब 20 साल तक मैदान पर एक्टिव रहने वाले इंग्राम ने इंटरनेशनल क्रिकेट के अलावा दुनिया की कई बड़ी ञ20 लीग में अपनी पहचान बनाई। अब वह क्रिकेट से पूरी तरह दूर नहीं होंगे, बल्कि कोचिंग के जरिए खेल से जुड़े रहेंगे।

इंग्राम ने सोशल मीडिया पर किया संन्यास का ऐलान

इंग्राम ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास का ऐलान किया। उन्होंने ग्लैमरगन के लिए काउंटी चैंपियनशिप डिविजन-1 में वारविकशायर के खिलाफ मैच खेलने के करीब दो सप्ताह बाद यह फैसला लिया। उस मुकाबले में उन्होंने 19 और 5 रन की पारियां खेली थीं। हालांकि, पूरे सीजन में उनका प्रदर्शन इससे बेहतर रहा और उन्होंने 12 मैचों में 628 रन बनाए,जिसमें उनका औसत 31.40 रहा। इंग्राम ने लिखा कि एक शर्मीले किसान परिवार के बच्चे ने कभी उस खेल को खेलने का सपना देखा था, जिसे वह बेहद पसंद करता था। उन्होंने कहा कि 20 साल से ज्यादा समय तक उस सपने को जीना उनके लिए सौभाग्य की बात रही। बल्लेबाजी के प्रति अपने लगाव को याद करते हुए उन्होंने इसे एक कला की तरह बताया, जिसमें बल्ला उनके लिए पेंटब्रश जैसा रहा

एशियाई खेलों में भारतीय महिलाओं का स्वर्णिम सफर

निशिन ,22 सितम्बर 2026। मंगलवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में हुए क्रिकेट इवेंट के फ़ाइनल में भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को बुरी तरह हराकर अपना गोल्ड मेडल बरकरार रखा। भारतीय महिला टीम ने बैटिंग और बॉलिंग दोनों में शानदार प्रदर्शन किया। स्मृति मंधाना ने 79 रन बनाए, जिससे टीम फ़ाइनल में रिकॉर्ड 216/3 का स्कोर बना पाई। वहीं,दीप्ति शर्मा,शैफ़ाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने मिलकर नौ विकेट लिए और भारत को 147 रनों की बड़ी जीत दिलाई। मौजूदा एशियाई खेलों में यह भारत का पहला गोल्ड मेडल और कुल मिलाकर सातवां मेडल है। भारतीय महिला टीम ने पिछले एशियाई खेलों में भी गोल्ड मेडल जीता था और अब उसी टीम के ख़िलाफ़ अपना टाइटल बरकरार रखा है। गोल्ड मेडल के मुक़ाबले में रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन करते हुए भारत ने महिला एशियाई खेलों के इतिहास में सबसे ज़्यादा स्कोर बनाया और महिला टी

20 इवेंट के फ़ाइनल में भी सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। मंधाना ज़बरदस्त फ़ॉर्म में थीं; उन्होंने सिर्फ़ 45 गेंदों में 79 रन बनाए, जिसमें सात छक्के और पाँच चौके शामिल थे। इस पारी के दौरान वह इंटरनेशनल क्रिकेट में 11,000 रन पूरे करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गईं। बांग्लादेश के खिलाफ़ सेमीफ़ाइनल में अपना पहला व्हाइट-बॉल शतक लगाने के बाद शैफ़ाली ने एक और शानदार पारी खेली; उन्होंने 29 गेंदों में 48 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल थे।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया

लंदन ,22 सितम्बर 2026। दो बार वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे और अपने दौर के सबसे तेज़ गेंदबाज़ों में से एक, उन्होंने 2015 में लॉर्ड्स में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ डेब्यू करने के बाद से 38 टेस्ट मैचों

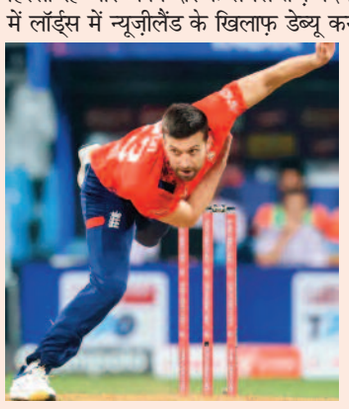

में 119 विकेट लिए। जब इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में 2022 आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप जीता, तो वुड ने चार मैचों में नौ विकेट लिए। वह इंग्लैंड की पुरुष टीम के लिए आई टी 20 में 38 मैचों में 54 विकेट लेकर छठे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ के तौर पर रिटायर हो रहे हैं, जबकि उन्होंने 70 वनडे मैचों में 80 विकेट लिए। 36 साल के वुड ने चार एशेज़ सीरीज़ में हिस्सा लिया और 2015 में अपनी पहली सीरीज़ के दौरान ट्रेंट ब्रिज में अर्न (ट्रॉफी) वापस पाने के लिए निर्णायक विकेट लिया। 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ हेडिंग्ले में उनके शानदार स्पेल ने भी इंग्लैंड को 2-0 से पिछड़ने के बाद वापसी करने और सीरीज़ ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई।

भारत की रोमांचक जीत के बाद अय्यर का बयान,वे शानदार थे

सानो,22 सितम्बर 2026। मंगलवार को सानो में खेले गए ऐतिहासिक पांच-ओवर के मैच में भारत ने मेजबान टीम को दो रन से हराया। मैच के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने जापान के शानदार प्रदर्शन की तारीफ की और इस मैच को आयोजित करने की कोशिशों की सराहना की। मैच के बाद अय्यर ने कहा,सबसे पहले, जापान और भारत को उनके 75 साल के राजनयिक संबंधों के लिए बधाई। जब भी हम यहां आते हैं, तो हम अक्सर इस बारे में बात करते हैं। उन्होंने आगे कहा,आज के मौके की बात करें तो, हमारे लिए यह एक लंबी यात्रा थी। हमें यहां पहुंचने में तीन घंटे लगे,लेकिन हमारे दिमाग में

बस एक ही बात थी कि हम खेलना चाहते हैं,मैच देखने आए दर्शकों और उन समर्थकों का उत्साह बढ़ाना चाहते हैं जिन्होंने इस मैच के आयोजन के लिए बहुत मेहनत की है। गीले आउटफील्ड के कारण मैच शुरू होने में लगभग ढाई घंटे की देरी हुई और आखिरकार इसे प्रति टीम पांच ओवर तक सीमित कर दिया गया। जापान के स्पिनरों ने हालात का अच्छा फायदा उठाया और भारत की टीम 32 रन पर ऑल आउट हो गई; अय्यर ने 12 गेंदों में 16 रन बनाए। इसके बाद जापान की टीम 33 रन के लक्ष्य के करीब पहुंच गई थी,लेकिन भारत ने दो रन से जीत हासिल की। वाशिंगटन सुंदर ने दो विकेट लिए और अक्षर पटेल ने भी अच्छी गेंदबाजी की। अय्यर ने कहा कि मुश्किल हालात के बावजूद मैच का आयोजन होना इस इवेंट को खास बनाता है। इस मैच को आयोजित करने में शामिल सभी लोगों को बधाई,और यह बहुत शानदार रहा। भले ही यह पांच ओवर का मैच था, लेकिन मुझे खुशी है कि हमें एक मैच देखने को मिला और जापानी टीम के साथ-साथ भारतीय खिलाड़ियों का भी बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला।

C M Y K

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सली डंप से बड़ी मात्रा में हथियार,गोला-बारूद सहित अन्य सामग्री बरामद

बीजापुर,22 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में मंगलवार को सुरक्षा बलों ने बड़ी मात्रा में हथियार,गोला-बारूद एवं अन्य सामग्री बरामद की। यह हथियार और सामग्री थाना बेदरे क्षेत्र के ग्राम लंका पहाड़ी के जंगल में जमीन के अंदर छिपाकर रखा गया था। बरामद नक्सली डंप से एक एसएलआर एक एलएमजी रायफल,एक इंसास रायफल, एक 315 बोर बंदूक, दो बीजीएल लॉन्चर, 17 बीजीएल सेल और एक चाइना हैंड ग्रेनेड शामिल हैं। इसके अलावा 49 एसएलआर राउंड,315 बोर के 15 राउंड,15 बीजीएल कारतूस, चार एसएलआर मैगजीन तथा एक 315 बोर मैगजीन भी बरामद की गई है। बीजापुर एसपी उमेश कुमार गुप्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सर्चिंग के दौरान डिमाइनिंग कार्रवाई की जा रही थी। इसी दौरान जंगल में छिपाकर रखे गए डंप का पता चला। इसके बाद हथियार एवं अन्य सामग्री को जब्त कर लिया गया। पुलिस के अनुसार बीजापुर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने 20 सितंबर को थाना भैरमगढ़ क्षेत्र के आदवाड़ा के जंगल से एके-47, .315 बोर हथियार,सिंगल शॉट पिस्टल सहित जिंदा कारतूस और मैगजीन बरामद किए गए।

रामगोपाल अग्रवाल की जमानत याचिका खारिज

शराब घोटाला केस में जेल में है बंद,8 जुलाई को ईओडब्ल्यू कार्यालय पहुंचकर किया था सरेंडर

रायपुर,22 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के तत्कालीन कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की जमानत याचिका कार्ट ने खारिज कर दिया है। रामगोपाल अग्रवाल छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी हैं। ईडी ने उन्हें 11 अगस्त 2026 को गिरफ्तार किया था। ईडी ने शुरुआती दिनों में कस्टोडिल रिमांड में पूछताछ कर उन्हें जेल भेज दिया था। कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल करीब 3 साल तक फरार रहे। 8 जुलाई को उन्होंने ईओडब्ल्यू कार्यालय पहुंचकर सरेंडर किया था। इसके बाद मेडिकल परीक्षण कर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से 9 जुलाई से 17 जुलाई तक पुलिस रिमांड मंजूर की गई थी। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद 5 अगस्त तक ईओडब्ल्यू की कस्टडी में भेज दिया गया था। बाद में ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था।

फरवरी 2019 में बना था सिंडिकेट

कारोबारी अनवर ढेबर ने सिंडिकेट बनाने के लिए फरवरी 2019 में जेल रोड स्थित होटल वेनिंगटन में प्रदेश के 3 डिस्टलरी मालिकों को बुलाया। इस मीटिंग में छत्तीसगढ़ डिस्टलरी से नवीन केडिया, भाटिया वाइंस प्राइवेट लिमिटेड से भूपेंदर पाल सिंह भाटिया और प्रिंस भाटिया शामिल हुए। साथ ही वेलकम डिस्टलरी से राजेंद्र जायसवाल उर्फ चुन्नू जायसवाल के साथ हीरालाल जायसवाल और नवीन केडिया के संपर्क अधिकारी संजय फतेहपुरिया पहुंचे। मीटिंग में इनके अलावा एपी त्रिपाठी और अरविंद सिंह भी मौजूद थे। मीटिंग में अनवर ढेबर ने तय किया कि डिस्टलरी से जो शराब सप्लाई की जाती है, उसमें प्रति पेटी कमीशन देना होगा। कमीशन के बदले रेट बढ़ाने का आश्वासन डिस्टलरी संचालकों को दिया गया। पैसे का हिसाब-किताब करने के लिए आरोपियों ने पूरे कारोबार को ए, बी और सी पार्ट में बांटा।

ईओडब्ल्यू की एफआईआर और चार्जशीट के आधार पर ईडी की जांच

ईडी ने बताया कि,उसने यह जांच रायपुर ईओडब्ल्यू/एसीबी की ओर से दर्ज एफआईआर, रायपुर की स्पेशल कोर्ट में दाखिल चार्जशीट और सप्लीमेंट्री चार्जशीट के आधार पर शुरू की है। इनमें 2019 से 2023 के बीच छत्तीसगढ़ के आबकारी प्रशासन में आपराधिक साजिश,धोखाधड़ी,जालसाजी और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं।

3400 करोड़ के शराब घोटाले की जांच

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में जांच एजेंसियां सरकारी शराब कारोबार में अनियमितताओं, अवैध वसूली और पैसों के लेन-देन से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही हैं। एजेंसियों का आरोप है कि, शराब कारोबार में एक संगठित नेटवर्क के जरिए बड़ी रकम का लेन-देन हुआ। ईडी इस मामले में पहले भी कई लोगों से पूछताछ और कार्रवाई कर चुकी है। रामगोपाल अग्रवाल की गिरफ्तारी के बाद ईडी के पूछताछ में कई मामले में लेन-देन सामने आने की संभावना है।

कवासी लखमा समेत 13 लोगों की हो चुकी है गिरफ्तारी

ईओडब्ल्यू के मुताबिक, विदेशी शराब पर सिंडिकेट द्वारा लिए गए कमीशन का विश्लेषण किया जा रहा है। इस मामले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा,अरुणपति त्रिपाठी,अरविंद सिंह,अनवर ढेबर, त्रिलोक सिंह ढिल्लन,अनुराग द्विवेदी,अमित सिंह,दीपक दुआरी,दिलीप टुटेजा और सुनील दत्त समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया था जिसमें ज्यादातर आरोपी बेल पर बाहर हैं।

क्या है छत्तीसगढ़ का शराब घोटाला

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में 3200 करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। इस घोटाले में राजनेता,आबकारी विभाग के अधिकारी,कारोबारी सहित कई लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा,आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

असम में भूपेश बघेल के काफिले पर पथराव...कार के शीशे टूटे

बीजेपी-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प,बघेल बोले...अंग्रेजों से डरेंगे नहीं

रायपुर,22 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और असम कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल के काफिले पर हमला हुआ है। बघेल सोमवार को नागांव लोकसभा उपचुनाव के प्रचार के लिए पहुंचे थे। आरोप है कि समागुड़ी के बरमा इलाके में BJP कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाए और गो बैक के नारे लगाए। इससे स्थिति बिगड़ गई। भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इस दौरान कुछ लोगों ने भूपेश बघेल की गाड़ी पर पत्थरों और बोतलों से हमला कर दिया। बघेल के साथ असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई,धुबरी सांसद रकीबुल हुसैन और कांग्रेस प्रत्याशी सिबामोनी बोरा मौजूद थे।

घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षाबल मौके पर पहुंचे। स्थिति को नियंत्रित करने पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। पुलिस ने इस मामले में 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इस घटना के बाद भूपेश बघेल ने कहा कि हम गांधी जी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे। अंग्रेजों से नहीं डरेंगे। वहीं, कांग्रेस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि भूपेश बघेल और गौरव गोगोई पूरी तरह सुरक्षित हैं। पार्टी ने मांग की है कि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

अंग्रेजों से नहीं डरेंगे : भूपेश बघेल

भूपेश बघेल ने कहा कि लौटते समय भी हमारी गाड़ी पर पथराव हुआ। वहां कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। इस बात को निर्वाचन आयोग के संज्ञान में लाया गया है। सभी भाजपा के कार्यकर्ताओं की तरह काम कर रहे हैं। इनसे न्याय की उम्मीद नहीं की जा सकती है। हम गांधीजी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे। अंग्रेजों से नहीं डरेंगे।

काले झंडे दिखाने के बाद बढ़ा विवाद : कांग्रेस नेताओं के अनुसार कांग्रेस के सीनियर लीडर्स का काफिला चुनावी सभा के लिए जा रहा था। इसी दौरान कुछ लोगों ने काले झंडे दिखाए और 'गो बैक' के नारे लगाए। इसके बाद स्थिति बिगड़ गई और कांग्रेस के काफिले से जुड़ी गाड़ियों पर पत्थर फेंके जाने की बात सामने आई। कुछ लोगों के चेहरे ढके होने की भी रिपोर्ट है। घटना में वाहनों के शीशे टूटने और पत्रकारों के साथ कथित मारपीट की जानकारी सामने आई है। हालांकि,पथराव की शुरुआत किसने की और हिंसा के लिए कौन जिम्मेदार था,इसकी स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस और सीआरपीएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को हटाया। स्थिति नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किए जाने की भी बात सामने आई है।

पुलिस के मुताबिक सुरक्षाबलों पर भी पथराव की सूचना मिली। घटना के बाद कांग्रेस नेताओं को सुरक्षा घेरे में वहां से निकाला गया।

गोगोई ने बीजेपी पर लगाया आरोप: घटना के बाद गौरव गोगोई ने सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उस गाड़ी पर पत्थर और बोतलें फेंकी, जिसमें वे और भूपेश बघेल मौजूद थे। उन्होंने कहा कि पुलिस से पहले ही भीड़ को नियंत्रित करने का अनुरोध किया गया था।

उत्तम जायसवाल ने जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी किया ज्वाइन

बोले...केजरीवाल से उम्मीद थी,नेताओं से नाराजगी नहीं...

रायपुर,22 सितम्बर 2026। आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ के पूर्व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उत्तम जायसवाल ने जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी की सदस्यता ले ली है। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष अमित बघेल और छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अजय यादव ने उन्हें पार्टी का गमछा पहनाकर स्वागत किया। सदस्यता लेने के बाद उत्तम जायसवाल ने कहा कि वे अपने राजनीतिक सफर की नए सिरे से शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी, प्रदेश के अधिकार और जनता के हितों के लिए आगे भी काम करते रहेंगे।

आप नेताओं से नाराजगी नहीं, केजरीवाल से उम्मीद थी...

उत्तम जायसवाल ने कहा कि,आम आदमी पार्टी के किसी भी नेता से उनकी नाराजगी नहीं है। पार्टी में रहते हुए उन्होंने साथियों से बहुत कुछ सीखा और सभी के प्रति सम्मान है। हालांकि उन्होंने अरविंद केजरीवाल के छत्तीसगढ़ को लेकर रुख पर असंतोष जताया। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि अरविंद केजरीवाल छत्तीसगढ़ को लेकर ज्यादा गंभीरता दिखाएंगे। उनके मुताबिक इसी वजह से अब उन्होंने राजनीतिक सफर को नए सिरे से आगे बढ़ाने का फैसला किया है। उत्तम जायसवाल ने कहा कि, अब वे जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी में अमित बघेल और अजय यादव के नेतृत्व में काम करेंगे। उनका उद्देश्य छत्तीसगढ़ की माटी,अधिकार,अस्मिता और प्रदेश की जनता के हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना है। उन्होंने कहा कि यह उनके राजनीतिक जीवन का नया अध्याय है और आने वाले समय में प्रदेश के लोगों के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के हितों के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

तीज मिलन उत्सव...सीएम साय ने कहा...माताओं-बहनों के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकार लगातार प्रयासरत

रायपुर,22 सितम्बर 2026। नवा रायपुर में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंक राम वर्मा की ओर से तीज मिलन उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की पत्नी वीणा सिंह और बहू ऐश्वर्या सिंह समेत प्रदेशभर से महिलाएं और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तीज मिलन उत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि तीज के अवसर पर विवाहित माताएं अपने पति की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। उन्होंने भगवान शिव से प्रार्थना करते हुए कहा कि सभी का सौभाग्य अखंड रहे। सीएम साय ने कहा कि आज यहां छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों का भी आनंद लिया। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से ही समाज में माताओं का विशेष महत्व रहा है। त्रेता युग हो, द्वापर युग हो या सतयुग,हर काल में नारी के सम्मान को महत्व दिया गया है। हमारी सरकार भी माताओं-बहनों के सम्मान और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। सीएम साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत 68 लाख से अधिक माताओं-बहनों को हर महीने आर्थिक सहायता मिल रही है। पौने तीन साल में 31 किस्तें जारी की जा चुकी हैं और 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि उनके खातों में पहुंचाई गई है। जब मैं कार्यक्रमों में जाता हूं तो माताओं-बहनों के चेहरों पर अलग तरह की खुशी दिखाई देती है। आज महिलाओं को अपने छोटे-छोटे खर्चों के लिए पति पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है, उनके खाते में हर महीने एक हजार रुपये की राशि पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प के साथ काम कर रही है। ढाई साल में छत्तीसगढ़ में 18 लाख से अधिक आवास बनाए गए हैं। हर परिवार तक बिजली, नल का पानी और गैस सिलेंडर पहुंचाने का काम किया जा रहा है। देश ने पहले भी महामारियों का सामना किया है।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग केस...ईडी ने पेश की 3700 पेज की चार्जशीट

टामन सोनवानी,उत्कर्ष चंद्राकर और चेतन बोरघरिया के खिलाफ कोर्ट में चालान,तीनों जेल में हैं...

रायपुर,22 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग पेपर लीक और चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चार्जशीट पेश कर दी है। पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी, उत्कर्ष चंद्राकर और अपर कलेक्टर चेतन बोरघरिया के खिलाफ ईडी कोर्ट में चालान पेश किया गया है। चार्जशीट में 99 पेज की समरी शामिल है। इसके साथ करीब 3700 पेज के सपोर्टिंग डॉक्युमेंट्स भी कोर्ट में पेश किए गए हैं। ईडी ने पूर्व छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी को 25 जुलाई 2026 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद से वह जेल में हैं। वहीं, उत्कर्ष चंद्राकर और चेतन बोरघरिया भी जेल में हैं। इस मामले में ईडी ने 2020 और 2021 की छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग राज्य सेवा परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी को लेकर जांच शुरू की थी। यह जांच ईओडब्ल्यू/एसीबी की एफआईआर और बाद में सीबीआइ की जांच के आधार पर शुरू हुई थी। ईडी की जांच में भर्ती नियमों में बदलाव का मामला भी सामने आया है। एजेंसी के मुताबिक, 2021 में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के भर्ती नियमों में बदलाव कर 'family' यानी परिवार की परिभाषा से 'nephew' शब्द हटा दिया गया। ईडी का आरोप है कि इस बदलाव से टामन सिंह सोनवानी के रिश्तेदारों के चयन का रास्ता आसान हुआ।

ईडी का आरोप...चेयरमैन रहते पेपर लीक और चयन में गड़बड़ी की साजिश

ईडी के मुताबिक,छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के चेयरमैन रहते टामन सिंह सोनवानी ने कुछ सरकारी कर्मचारियों और निजी लोगों के साथ मिलकर पेपर लीक करने और चयन प्रक्रिया में हेरफेर की साजिश रची। एजेंसी का आरोप है कि इसके बदले अवैध रकम ली गई और उनके रिश्तेदारों समेत पसंदीदा अभ्यर्थियों का वरिष्ठ सरकारी पदों पर चयन कराने की कोशिश की गई। इनमें डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी जैसे पद शामिल थे।

अवैध रकम कैश और बैंक ट्रांजैक्शन से जुटाने का दावा

जांच एजेंसी के मुताबिक, अपराध से हुई आय यानी Proceeds of Crime का कुछ हिस्सा कैश में लिया गया और कुछ रकम को अलग-अलग बैंक खातों के जरिए कई स्तरों पर ट्रांजैक्शन कर रूट किया गया। ईडी इसी रकम के स्रोत और मनी ट्रेल का पता लगाने में जुटी है। एजेंसी का कहना है कि टामन सिंह सोनवानी से पूछताछ में अपराध से हुई आय का पता लगाने,पैसों के लेन-देन की कड़ी स्थापित करने और मामले में शामिल दूसरे लोगों की पहचान करने की कोशिश की गई।

चंपारण्य में 73.42 करोड़ के श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य स्टैच्यू कॉम्प्लेक्स को केंद्र की मंजूरी

स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत चंपारण्य बनेगा देश का प्रमुख सांस्कृतिक तीर्थ,18 महीने में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड पूरा करेगा काम

रायपुर, 22 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास की दिशा में आज एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। रायपुर जिले के चंपारण्य में लगभग 73.42 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित 'श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य स्टैच्यू कॉम्प्लेक्स' परियोजना को भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति (CSMC) ने अंतिम मंजूरी प्रदान कर दी है। सीएसएमसी स्वदेश दर्शन 2.0 की केंद्रीय समिति है। इस भव्य और महत्वाकांक्षी परियोजना का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा किया जाएगा, जिसके लिए 18 माह की समय-सीमा निर्धारित की गई है।

धार्मिक गरिमा अक्षुण्ण रखते हुए मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं : परियोजना की स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन के विकास को एक नई दिशा मिल रही है। महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य की जन्मस्थली की गरिमा और धार्मिक स्वरूप को अक्षुण्ण रखते हुए यहां श्रद्धालुओं के लिए उच्च गुणवत्ता की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यह परियोजना चंपारण्य को देश के प्रमुख आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करेगी। इस बड़ी सौगात के लिए मंत्री श्री राजेश अग्रवाल एवं छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के प्रति आभार जताया है।

15 एकड़ क्षेत्र में दिखेगा आधुनिकता और अध्यात्म का संगम : महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य की जन्मस्थली चंपारण्य देशभर के वैष्णव श्रद्धालुओं का प्रमुख आस्था केंद्र है। इस परियोजना के तहत लगभग 15 एकड़ क्षेत्र में आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

कॉम्प्लेक्स में विकसित होने वाली प्रमुख सुविधाएं : म्यूजियम एवं इंटरप्रिटेशन सेंटर: जहाँ महाप्रभु के जीवन और दर्शन की जानकारी मिलेगी।

कथा ग्राउंड एवं ओपन एयर थिएटर: धार्मिक आयोजनों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए।

वेलनेस एवं मेडिटेशन सेंटर : योग और ध्यान लगाने वाले पर्यटकों के लिए विशेष व्यवस्था।

आवास एवं डॉरमेटरी: दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए उच्च स्तरीय व्यवस्था।

अन्य विकास कार्य : यज्ञ कुंड व जल कुंड का जीर्णोद्धार, तालाब विकास, दिव्य पाथवे,भव्य लैंडस्केपिंग और रेस्टोरेंट।

स्थानीय रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा। परियोजना की डीपीआर पूरी तरह तैयार है और जल्द ही निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य चंपारण्य आने वाले पर्यटकों के ठहराव की अवधि को बढ़ाना है। चंपारण्य को केवल तीर्थ यात्रा के एक पड़ाव तक सीमित न रखते हुए इसे आध्यात्मिक, शैक्षणिक और अनुभव-आधारित पर्यटन के एक समग्र केंद्र के रूप में ढाला जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यापार के बड़े अवसर पैदा होंगे।

छत्तीसगढ़ में सुप्रिया श्रीनेत और नेहा राठौर पर मानहानि केस

एमएलए चंद्राकर बोले... बीजेपी का झंडा फहराते पुराना वीडियो स्वतंत्रता दिवस पर शेयर किया,माफी मांगे

धमतरी,22 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ में बीजेपी विधायक चंद्राकर ने सुप्रिया श्रीनेत और नेहा सिंह राठौर के खिलाफ मानहानि का केस किया है। दरअसल, 15 अगस्त को एमएलए अजय चंद्राकर का पार्टी का तिरंगा फहराते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था। आरोप है कि इसे स्वतंत्रता दिवस से जोड़कर वायरल किया गया। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नेहा सिंह राठौर ने इस वीडियो को पोस्ट किया,जिसमें दावा किया गया कि धमतरी जिले में भाजपा नेताओं ने स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज की जगह बीजेपी का झंडा फहराया था, जबकि शिकायतकर्ता का कहना है कि यह पार्टी के एक कार्यक्रम का पुराना वीडियो है। इस पोस्ट के खिलाफ भाजपा प्रदेश प्रवक्ता उज्जवल दीपक ने सिविल लाइन थाने में शिकायत की, जिसके बाद दोनों के खिलाफ एफआईआर भी हुई थी। अब मानहानि केस हुआ है। विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि बिना सोचे-समझे ऐसी हरकत नहीं करनी चाहिए। सभी कार्यकर्ता मिलकर कांग्रेस के इस झूठे नैरेटिव से लड़ेंगे। जिनके पास मुद्दा, संस्कार और विचार नहीं होते, वे ऐसी हरकतें करते हैं। उन्होंने बताया कि मानहानि में राशि नहीं बल्कि सजा की मांग की गई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)